(आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 31281/78) O.I.G.S. डाक पंजीयन क्रमांक जयपुर सिटी/205/2024-26

सत्यमेव जयते

राजस्थान रोज़गार संदेश

पाक्षिक

(राजस्थान सरकार के रोजगार सेवा निदेशालय द्वारा प्रकाशित व्यावसायिक मार्गदर्शन एवं रोजगार संबंधी सूचनाओं का एकमात्र प्रकाशन)

वर्ष 49 अंक 11 Website:http://employment.rajasthan.gov.in 15 जुलाई, 2026 मूल्य : 3.00 वार्षिक शुल्क 60 रु

15 जुलाई - विश्व युवा कौशल दिवस

विश्व युवा कौशल दिवस पूरे विश्व के युवाओ के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। विश्व के प्रगतिशील देशों में युवा बड़ी संख्या में बेरोजगार है। आज के समय में युवाओ की बेरोजगारी इतनी बढ़ गई है जिसके कारण उन्हें मजबूरन अपनी क्षमता से कम स्किल वाली नौकरी में काम करना पड़ता है। महिलाए भी पुरुषों की तरह ही बेरोजगारी की स्थिति मे है और उन्हे उनकी क्षमता से कम वेतन वाले रोजगार को अपनाना पड़ता है। 15 जुलाई 2015 में इसी संकट से लोगो को रूबरू करवाने के लिए यूएस में संयुक्त राष्ट्र ने वर्ल्ड युथ स्किल्ड डे मनाने का निर्णय लिया था।

वर्ष 2015 मे **"स्किल इण्डिया" (कुशल भारत, कौशल भारत)** नामक अभियान लांच किया गया था जिसका लक्ष्य अधिक लोगों को विभिन्न स्किल्स में प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा केन्द्र में अलग से कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की स्थापना की गई है और कौशल विकास के कार्य को गति देने के लिये राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में राज्य में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) स्थापित है जो राज्य में कौशल विकास के लिये प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना में सहयोग कर रहा है। रोजगार का तात्पर्य मात्र सरकारी नौकरी से नहीं है। रोजगार का तात्पर्य है आजीविका कमाना जो निजी क्षेत्र की कम्पनियों एवं संस्थाओं में कार्य करके एवं उद्यमशीलता विकसित कर के भी प्राप्त की जा सकती है । इसके लिए व्यक्ति को किसी व्यवसाय में तकनीकी रूप से कुशल (स्किल्ड) होना चाहिये। कौशल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित योजनायें इसी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए राजस्थान सरकार के स्तर पर कई प्रयास किये जा रहे है। विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम इस दिशा में कार्यशील है जिनका उद्देश्य युवाओं को कई क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण देकर उनकी रोजगारपरक क्षमता बढ़ाना है।

कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग (डीएसईई), राजस्थान सरकार

राज्य सरकार द्वारा मई 2015 में युवाओं में कौशल विकास एवं उद्यमिता को विकसित करने की दृष्टि से एक नये विभाग - कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग का गठन किया गया। विभाग के निर्माण के पश्चात् प्राविधिक शिक्षा (प्रशिक्षण)/आईटीआई, रोजगार तथा राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) में प्रभावी समन्वय बन गया है, जिसके फलस्वरूप राजस्थान में युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण, नियोजन एवं उद्यमिता से संबंधित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों तथा अभियानों का क्रियान्वयन एक ही छत के नीचे किया जा रहा है ताकि युवाओं के लिए रोजगार प्राप्ति का मार्ग अधिक प्रशस्त किया जा सके।

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम द्वारा संचालित योजनाएँ

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY)

ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर DDU-GKY कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को कौशल तथा रोजगार प्रदान कर सक्षम बनाते हुए गरीबी को कम करने के लिये प्रारम्भ किया गया है। राजस्थान में यह योजना जुलाई, 2014 में प्रारम्भ की गई। योजना ग्रामीण युवाओं के लिये लक्षित है। प्रशिक्षण **NSQF aligned (National Skill Qualification Framework)** पाठ्यक्रम में दिया जाता है।

प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षित युवाओं में से न्यूनतम 70 प्रतिशत युवाओं को रोजगार/स्व-रोजगार का अवसर प्रदान किया जाता है।

पात्रता मानदंड:-

आयु समूह:- 15 से 35 वर्ष (विशेष समूह के लिये 10 वर्ष की रियायत)

अन्य मानदंड:- बीपीएल, **RSBY**, अन्तयोदय **NRLM**, **SHG** परिवार ऐसे परिवार के युवा जिन्होंने विगत वर्ष में न्यूनतम 15 दिवस कार्य किया हो। ग्राम पंचायत स्तर पर **PIP** के माध्यम से चयनित ग्रामीण गरीब।

मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना (MMYKY)

मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना का उद्धेश्य राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के नियमित विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उनके कौशल को विकसित कर रोजगार/स्वरोजगार के लिये सक्षम बनाना है ताकि अपने अध्ययन के उपरान्त ये प्राप्त कौशल के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकें अथवा स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकें। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 90 घंटे सॉफ्ट स्किल के लिये निर्धारित हैं।

इस कार्यक्रम का संचालन आरएसएलडीसी एवं कॉलेज शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन आरएसएलडीसी द्वारा सूचीबद्ध कौशल प्रशिक्षण प्रदाता संस्थानों द्वारा किया जाता है। **MMYKY 1.0** के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन महाविद्यालय परिसर में किये गये एवं **MMYKY 2.0** के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन **Online** के माध्यम से किया गया है।

चूंकि योजना का उद्देश्य अध्ययनरत विद्यार्थियों के कौशल को विकसित करना है अतः इस योजना में प्रशिक्षण उपरान्त नियोजन का प्रावधान नहीं रखा गया है।

पात्रता मानदंड:-

आयु समूह:- 17 से 30 वर्ष, राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के नियमित विद्यार्थी

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना (MMKVY)

RAJKViK

योजना का उद्धेश्य युवाओं की प्रतिभा के विकास के अवसर बढ़ाकर उद्योग आधारित माँग के अनुसार जो क्षेत्र कौशल विकास की दृष्टि से अल्पविकसित है उनमें रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उद्योगों की माँग की पूर्ति सुनिश्चित करते हुए राज्य के समग्र विकास में योगदान प्रदान करना है। इसमें प्रशिक्षण **NSQF aligned (National Skill Qualification Framework)** पाठ्यक्रम में दिया जाता है।

पात्रता मानदंड:-

आयु समूह:- 15 से 35 वर्ष के युवा, विशेष योग्यजनों एवं महिलाओं के लिये:-15 से 45 वर्ष।

SAKSHM

योजना का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के वंचित वर्ग के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आजीविका अर्जित करने योग्य बनाना एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर करना है, ताकि शनैः-शनैः वे कौशल प्रशिक्षण से प्राप्त आत्मविश्वास से प्रेरित होकर स्वयं का लघु उद्यम स्थापित कर सकें अथवा स्वरोजगार प्रारंभ कर सकें। सक्षम योजना राज्य के समस्त ऐसे युवा/महिलाओं के लिये है जो किसी विद्यालय/कॉलेज के नियमित छात्र/छात्रा ना हो एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वयं का व्यवसाय या सामूहिक रुप से कोई स्वरोजगार गतिविधि करने के इच्छुक है।

पात्रता मानदंड:-

आयु समूह:- युवाओं के लिये:-15 से 45 वर्ष

SAMARTH

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गरीब वर्ग का कौशल विकास करना हैं। इस योजना के अन्तर्गत सीधे रोजगार मुहैया करवाने के स्थान पर आजीविका अर्जन हेतु कौशल विकास को प्राथमिता दी गई है जिससे कि वे अपना व्यक्तिगत कौशल को विकसित करते हुए तीव्र गति से बदलते बाजार व समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें साथ ही साथ भविष्य में स्वरोजगार की ओर अग्रसर होते हुए एक कुशल व्यवसायी/

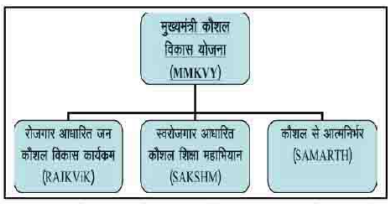

उद्यमी बन सकें। समर्थ योजना का उद्देश्य वंचित वर्ग को प्रशिक्षणोपरान्त रोजगार/स्वरोजगार से जोड़ना ही नहीं अपितु मुख्यधारा से जोड़ने के लिये गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण देते हुए उद्यमिता कौशल के साथ तैयार करना भी है।

योजना के अन्तर्गत राज्य की महिलाओं, विशेष एवं वंचित वर्गों, पिछड़े एवं हाशिये पर मौजूद परिवारों के लोगों, विशेष योग्यजन, कारागारबन्दी, नारी निकेतन, किशोर गृह/बालिका गृह, अनाथालय, ट्रांसजेण्डर, विधवा/परित्यक्ता, अल्पसंख्यक, वंचित वर्ग, अवैध शराब बनाने वाले समुदाय, सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी को स्वरोजगार एवं उद्यमिता आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उनकी आयसृजन क्षमता व स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है।

पात्रता मानदंडः-

आयु समुहः- युवाओं के लियेः-15 से 45 वर्ष कारागार बंदियों, किसानों, भिखारी, सफाईकर्मी, ट्रांसजेन्डर, एकल नारी, विधवा के लियेः-15 से 50 वर्ष। विशेष योग्यजनों के लियेः-15 से 45 वर्ष।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम एवं निदेशालय महिला अधिकारिता के संयुक्त प्रयासों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण को समर्पित मुख्यमंत्री नारी शक्ति कौशल सामर्थ्य योजना। योजना का शुभारम्भ वित्तीय वर्ष 2020-21 में किया गया। इस योजना के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है जिससे महिलाओं एवं बालिकाओं को समाज में बराबरी का हक मिले एवं उनकी भागीदारी बढ़े एवं आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मान के साथ जीवनयापन कर सके।

पात्रता मानदंडः-

आयु समुहः- 16 से 50 वर्ष की महिलाएं एवं बालिकाएं

मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना (MMYSY)

मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजनान्तर्गत बेरोजगारी भत्ता के लाभार्थियों (प्रोफेशनल कोर्स बीएड, एमबीबीएस, नर्सिंग एवं बीफार्मा डिग्री या डिप्लोमा पास बेरोजगारों के अलावा) को न्यूनतम 3 महीने का कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना हैं।

पात्रता मानदंडः-

आयु समुहः- 30 वर्ष {भत्ता प्राप्त करने की पात्रता हेतु अनुसूचित जाति/जनजाति, ट्रांसजेंडर, महिला एवं विशेष योग्यजन (निःशक्तजन) आशार्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष}

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय (प्रशिक्षण)

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

आईटीआई का मुख्य उद्धेश्य आधुनिक प्रौद्योगिकी के अनुरूप युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षित करना है। राज्य में तकनीकी शिक्षा के विकास एवं संचालन के लिए प्राविधिक शिक्षा निदेशालय स्थापित है। जिसका मुख्यालय जोधपुर मे है। नवगठित कौशल,नियोजन एवं उद्यमिता विभाग (डीएसईई) के अन्तर्गत प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अधीन राजकीय एवं निजी क्षेत्र के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो में युवाओ को प्रशिक्षित कर रोजगाारपरक बनाया जा रहा है।

उद्धेश्य :-

1. प्रदेश के युवाओं कौशल दक्षताओं का विकास कर उन्हें सम्मान जनक आजिविका एवं रोजगार प्राप्ति योग्य बनाना।
2. प्रदेश के गरीब ग्रामीण अनुसूचित जाति/जनजाति, अल्प संख्यक एवं अन्य पिछडा वर्ग के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उनके आजिविका एवं रोजगार प्राप्ति योग्य बनाना।
3. प्रदेश में विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में जहाँ कुशल मानव संस्थान अप्राप्त है उन क्षेत्रों में कुशल मानव संस्थान के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करवाकर प्रदेश के आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान करने के लिये संस्थानों से एमओयू कर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
4. प्रदेश में राजकीय एवं निजी ऐजेन्सीयों के सहयोग से विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों मे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराना।
5. प्रदेश के युवाओं को अपना हुनर विकसित करने के लिये विभिन्न माध्यम से प्रचार-प्रसार करना।
6. प्रदेश में युवाओं की आजिविका निर्माण के लिये निति निर्माण का कार्य करवाना।
7. आईटीआई से उर्तीण अधिकाधिक युवाओं को रोजगार दिलवाने के प्रयास कराना।

योजनाएँ :-

युवाओं में कौशल प्रशिक्षण का बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईटीआई द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित कि जा रही है। इनमें से मुख्य योजनाएं है।

01. शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (CTS)

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद् (NCVT) एवं राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद(SCVT) के निर्धारित व्यवसायों में नियमित योजनाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है। योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न व्यवसायों प्रशिक्षण देकर दक्ष कामगार तैयार करना है। इस योजना के अन्तर्गत अभियांत्रिक व्यवसाय तथा गैर अभियांत्रिक व्यवसायों का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। CTS योजना के अन्तर्गत संचालित व्यवसायों में ट्रेड थ्योरी, प्रेक्टिकल, इंजिनियरिंग, ड्रांइग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कराया जाता है। वर्तमान में राज्य में 326 राजकीय एवं 1074 निजी आईटीआई सहित कुल 1400 आईटीआई स्वीकृत है।

02. अनुदेशक प्रशिक्षण केन्द्र (IToTs)(CITS)

33 जिला मुख्यालय की राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुदेशक प्रशिक्षण केन्द्र खोले गये है। यह केन्द्र डीजीटी, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त है।

03. आई.टी.आई. ब्राण्ड एम्बेसडर

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्धेश्य से आईटीआई उत्तीर्ण भूतपूर्व छात्रों में से उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने वाले छात्रों को आईटीआई का जिला स्तरीय ब्राण्ड एम्बेसडर बनाए गये है।

Short term courses

01. पीएम-विश्वकर्मा

पी एम विश्वकर्मा के उद्धेश्य कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा के रुप में मान्यता प्रदान करना एवं उन्हें बेहतर और आधुनिक उपकरणों हेतु सहायता प्रदान करना। कोलेटरल मुक्त ऋण तक आसान पहुँच प्रदान करना। जिसके अन्तर्गत विभिन्न राजकीय औ.प्र.संस्थानो में इस योजना के तहत 2184 अभ्यार्थियो को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना

राज्य के स्नातक बेरोजगार आशार्थियों को आर्थिक संबल प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री युवा संबल योजना प्रदेश में संचालित है। योजनान्तर्गत पुरूष बेरोजगारों को 4000 रूपये एवं महिला, विशेष योग्यजन व ट्रांसजेण्डर श्रेणी के आशार्थियों को 4500 रूपये प्रतिमाह अधिकतम दो वर्ष तक बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है। एक समय में अधिकतम दो लाख युवाओं को भत्ता दिया जाता है।

योजना का उद्देश्य -

- पात्र शिक्षित बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सम्बल प्रदान करने हेतु बेरोजगारी भत्ते का वितरण करना तथा कौशल प्रशिक्षण एवं ईन्टर्नशिप के माध्यम से बेरोजगार युवाओं की रोजगारपरक क्षमता में वृद्धि करना।
- योजना 01 फरवरी 2019 से प्रारम्भ।

भत्ता राशि -

- पुरूष आशार्थी - 4000 रूपये
- महिला, दिव्यांगजन व ट्रांसजेण्डर - 4500 रूपये प्रतिमाह।

अधिकतम लाभांवितों की सीमा -

- एक समय में अधिकतम 2,00,000 तक

कौशल प्रशिक्षण -

- आर.एस.एल.डी.सी के माध्यम से संचालित किसी भी कोर्स में न्यूनतम तीन माह (90 दिवस) का प्रशिक्षण अनिवार्य। पहले से तकनीकी योग्यता रखने वाले आवेदक कौशल प्रशिक्षण से मुक्त रहेंगे।

ईन्टर्नशिप -

- ईन्टर्नशिप के तहत आवेदक के द्वारा किसी राजकीय विभाग अथवा उपक्रम में प्रतिदिन 4 घंटे की सेवाएं प्रदान की जाती है।

पात्रता :-

- प्रार्थी राजस्थान राज्य का मूल निवासी होना चाहिए।
- राजस्थान राज्य में स्थित विधि द्वारा स्थापित किसी भी विश्वविधालय से स्नातक डिग्रीधारी।
- न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष एवं अधिकतम आयु सीमा सामान्य आशार्थियों के लिए 30 वर्ष व अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला, विशेष योग्यजन एवं ट्रांसजेण्डर हेतु 35 वर्ष।
- पारिवारिक वार्षिक आय दो लाख से कम।
- स्थानीय रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य।
- एक परिवार में अधिकतम 2 व्यक्तियों को ही बेरोजगारी भत्ता देय।
- स्नातक उपरान्त किसी संस्थान में नियमित अध्ययनरत न हो।

आवेदन प्रक्रिया :-

- प्रार्थी को स्वयं की एसएसओ.आई.डी से लॉग इन कर EMPLOYMENT DEPARTMENT के EEMS 2.0 पोर्टल पर पहले JOB SEEKER रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्टेशन के पश्चात् UNEMPLOYMENT ALLOWANCE में आवेदन करना होगा।

रोजगार शिविर

- रोजगार विभाग द्वारा बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु रोजगार सहायता शिविर आयोजित किये जाते है, जिनमें निजी क्षेत्र के नियोजकों को शिविरों में आमंत्रित कर इनके माध्यम से बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये जाते है।
- रोजगार विभाग अपने जिला कार्यालयों के माध्यम से निजी नियोजकों के यहां उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी प्राप्त करता है एवं युवाओं को एसएमएस, ईमेल, प्रेस-विज्ञप्ति इत्यादि के माध्यम से सूचित कर रोजगार शिविर में भाग लेने हेतु बुलाता है।
- शिविर आयोजन स्थल पर दोनों पक्षों को मिलने के लिये प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाता है। इससे युवाओं को रोजगार ढूंढने में सहायता मिलती है तथा नियोजकों को भी उनकी मांग के अनुरूप बेहतर कर्मी उपलब्ध हो पाते है।
- वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 45 रोजगार शिविरों/मेलों/युवा संबल मेले (39 कैम्पस शिविर एवं 6 संबल मेले) का आयोजन कर कुल 8005 बेरोजगार आशार्थियों का (5258 का कैम्पस शिविरों में एवं 2747 का युवा संबल मेलों में) निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों हेतु प्राथमिक चयन किया गया है।
- वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक कुल 557 रोजगार शिविर/मेले/युवा संबल मेले (541 रोजगार/कैम्पस शिविर एवं 16 युवा संबल मेले) आयोजित किये गये है जिनमें 143401 बेरोजगार आशार्थियों का (131068 का रोजगार/कैम्पस शिविरों में एवं 12333 का युवा संबल मेलों में) निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों हेतु प्राथमिक चयन किया गया है।
- अब तक 9 मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किये जा चुके हैं ।

विस्तृत विज्ञापन

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

राज्य कृषि प्रबंध संस्थान परिसर, दुर्गापुरा, जयपुर-302018 दूरभाष नं. 0141-2722520

क्रमांक : प.14(215)RSSB/अर्थना/CET Graduate/2026/ **दिनांक : 01.07.2026**

-: विज्ञापन संख्या 09/2026:-

-:: समान पात्रता परीक्षा (Common Eligibilty Test) (स्नातक स्तर)-2026 ::-

बोर्ड द्वारा राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिकवर्गीय सेवा (समान पात्रता परीक्षा) नियम-2022 यथा संशोधित के अंतर्गत निम्नलिखित सेवाओं हेतु समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2026 के लिए निर्धारित प्रपत्र में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा विज्ञापन में वर्णित शर्तों एवं निर्बन्धनों के अध्यधीन ऑनलाईन आवेदन पत्र (Online Application Form) आमंत्रित किये जाते हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्रम संख्या	सेवा का नाम	पद का नाम
1.	राजस्थान होम गार्ड अधीनस्थ सेवा	प्लाटून कमांडर
2.	राजस्थान अभियांत्रिकी अधीनस्थ सिंचाई सेवा	पटवारी
3.	राजस्थान अधीनस्थ लेखा सेवा	कनिष्ठ लेखाकार
4.	राजस्थान राजस्व लेखा अधीनस्थ सेवा	तहसील राजस्व लेखाकार
5.	राजस्थान महिला अधिकारिता अधीनस्थ सेवा	पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता)
6.	राजस्थान एकीकृत बाल विकास अधीनस्थ सेवा	पर्यवेक्षक
7.	राजस्थान कारागार अधीनस्थ सेवा	उप-जेलर
8.	राजस्थान समाज कल्याण अधीनस्थ सेवा	छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-II
9.	राजस्थान राजस्व (भू-अभिलेख, भू-प्रबन्ध एवं उपनिवेशन) अधीनस्थ सेवा	पटवारी
10.	राजस्थान पंचायती राज	ग्राम विकास अधिकारी
11.	राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (सेवा)	कनिष्ठ लेखाकार
12.	राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्य एवं अधीनस्थ सेवा	छात्रावास अधीक्षक (पुरुष/महिला) ग्रेड-II

नोट:- राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिकवर्गीय (समान पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 यथा संशोधित के अलावा राजस्व (ग्रुप-6) विभाग की अधिसूचना दिनांक 18.11.2022 के क्रम में राजस्थान राजस्व (भू-अभिलेख, भू-प्रबन्ध एवं उपनिवेशन) अधीनस्थ सेवा के पटवारी, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की अधिसूचना दिनांक 04.09.2023 के क्रम में राजस्थान पंचायती राज सेवा के ग्राम विकास अधिकारी एवं राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कार्यालय आदेश दिनांक 07.06.2023, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (सेवा) उपनियम 1977 में संशोधन के अन्तर्गत राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (सेवा) के कनिष्ठ लेखाकार पद को समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) में शामिल किया गया है।

समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर) के संबंध में सामान्य दिशा निर्देश:-

1. समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2026 मात्र एक पात्रता परीक्षा है। समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2026 में सम्मिलित पद पर भर्ती सुसंगत सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जायेगी। किसी अभ्यर्थी का समान पात्रता परीक्षा में उपस्थित होने तथा स्कोर अर्जित कर लेना मात्र ही उसे नौकरी की गारंटी नहीं देगा। अभ्यर्थियों को भर्ती एजेन्सी द्वारा संचालित लिखित परीक्षा या साक्षात्कार या दोनों में आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा और उसे अर्हित करना होगा और सुसंगत सेवा नियमों में अधिकथित अन्य कसौटी भी पूर्ण करनी होगी। समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2026 में सम्मिलित सेवाओं के पदों पर भर्ती के लिये विभागीय नियमों एवं परीक्षा प्रणाली के अनुसार अलग से भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जायेगा, जिसमें अभ्यर्थियों का चयन श्रेणीवार रिक्त पदों के अनुसार वरीयता के आधार पर किया जायेगा। मुख्य भर्ती परीक्षा का आयोजन एवं भर्ती की कार्यवाही उस सेवा के सेवा नियमों के अनुसार की जावेगी।
2. कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 16.01.2025 के अनुसार समान पात्रता परीक्षा का स्कोर परिणाम की दिनांक से तीन वर्ष के लिये मान्य होगा।
3. बोर्ड द्वारा उन समस्त अभ्यर्थियों के अंक, जो समान पात्रता परीक्षा में उपस्थित हुये हैं SSO ID पर प्रकाशित किये जायेंगे तथा सफल घोषित अभ्यर्थियों की सूची वेबसाईट पर प्रकाशित की जावेगी।
4. समान पात्रता परीक्षा में उपस्थित होने के अवसरों की संख्या के संबंध में कोई निर्बंधन नहीं होगें। अभ्यर्थियों के पास समान पात्रता परीक्षा में अपना स्कोर सुधारने का अवसर होगा। किसी अभ्यर्थी का समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर) में सम्मिलित पदों के लिये आने वाली परीक्षा से पूर्व का सर्वोत्तम उपलब्ध स्कोर मान्य होगा, अगर स्कोर की वैधता समाप्त नहीं हुई हो। पूर्व समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2024 की स्कोर की अवधि परिणाम की दिनांक से एक वर्ष पूर्ण हो जाने से दिनांक 11.02.2026 को समाप्त हो चुकी है। अतः पूर्व समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2024 के अभ्यर्थियों को पुनः आवेदन करना होगा।
5. समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2026 में कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 03.08.2024 द्वारा समान पात्रता परीक्षा में उल्लिखित अधीनस्थ और लिपिकवर्गीय सेवाओं के पदों पर सीधी भर्ती को शासित करने वाले उल्लिखित पदों पर चयन के लिए संचालित लिखित परीक्षा या साक्षात्कार या दोनों में उपस्थित होने का पात्र नहीं होगा **यदि, वह समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने में विफल रहता है। तथापि, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंको में, 5 प्रतिशत तक का शिथिलीकरण उपलब्ध होगा।**
6. **समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2026 में उल्लेखित किसी पद पर भर्ती के लिये, शैक्षणिक अर्हता, आयु, अनुभव आदि वही होगी जो उस पद पर भर्ती को शासित करने वाले सुसंगत सेवा नियमों में यथा विहित है।**
7. समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2026 में उपस्थित होने से पूर्व अभ्यर्थी द्वारा स्वयं यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वह समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)-2026 में सम्मिलित किसी पद हेतु आयु, शैक्षणिक अर्हताओं आदि, यदि कोई हो, के संबंध में शर्तें पूर्ण करता/करती है। समान पात्रता परीक्षा के लिये अनुज्ञात किया जाना अभ्यर्थी को पात्रता की उपधारणा मान्यता का पात्र नहीं बनायेगा।

1. ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया:- बोर्ड द्वारा आवेदन Online Application Form माध्यम से ही प्राप्त किये जाएंगे जिन्हें राज्य के अधिकृत/निर्धारित ई-मित्र कियोस्क/जन सुविधा केन्द्र/स्वयं के माध्यम से भरा जा सकता है। ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने से पूर्व सर्वप्रथम अभ्यर्थी **विस्तृत विज्ञापन** का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लेंवे। तदुपरान्त ही अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन करें। ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी-

ऑनलाईन आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को एस.एस.ओ. पोर्टल http://sso.rajasthan.gov.in से Login करने के उपरांत Citizen Apps (G2C) में उपलब्ध Recruitment Portal का चयन करना होगा। इसके बाद अभ्यर्थी Apply Now पर क्लिक करेगा। यदि अभ्यर्थी द्वारा OTR (One Time Registration) का एकबारीय पंजीयन शुल्क जमा नहीं किया गया है, तो अभ्यर्थी को सर्वप्रथम OTR (One Time Registration) टैब पर अपनी श्रेणी Unreserved (UR) अथवा Reserved (EWS/OBC-NC/MBC-NC/SC/ST/SAH) श्रेणी, दिव्यांगता की स्थिति व मूल राज्य का विवरण दर्ज करके निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। ऑनलाईन आवेदन में अभ्यर्थी को OTR (One Time Registration) के समय भरी गई श्रेणी, दिव्यांगता की स्थिति व मूल राज्य भरे **हुए मिलेंगें। अतः अभ्यर्थी OTR (One Time Registration) प्रक्रिया को सावधानी से भरें।** OTR प्रक्रिया को पूरा करने के बाद अभ्यर्थी SSO ID के माध्यम से आवेदन कर सकेगा। **आवेदक को ऑनलाईन आवेदन में शारीरिक दृश्य चिन्ह (visible body mark) भरना अनिवार्य है।**

बोर्ड द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र में शैक्षणिक योग्यता व भर्ती संबंधी अन्य दस्तावेज एवं प्रविष्टियाँ भरने की प्रक्रिया में परिवर्तन किया गया है। **इस संबंध में दिशा निर्देश विज्ञप्ति एवं सहायता दस्तावेज बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड किये गए है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इन दस्तावेजों का भली प्रकार अध्ययन करने के उपरान्त ही ऑनलाईन आवेदन भरें।**

OTR डेशबोर्ड के ODV सेक्शन में अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता का चुनाव सावधानीपूर्वक करें। भर्ती विज्ञप्ति में निर्धारित नियमों के अनुसार योग्यता संबंधी दस्तावेज अभ्यर्थियों द्वारा डॉक्यूमेंट डिटेल्स सेक्शन में अपलोड किए जायेंगे। **ऑनलाईन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी सुनिश्चित कर लेंवें कि उसकी शैक्षणिक योग्यता, भर्ती विज्ञप्ति नियमों के अनुरूप हैं, तदुपरांत ही ऑनलाईन आवेदन भरें।** स्वयं की शैक्षणिक योग्यता व दस्तावेजों की, भर्ती विज्ञप्ति नियमों के अनुरूपता एवं सत्यता के लिए अभ्यर्थी स्वयं उत्तरदायी होगा। यदि किसी भी स्तर पर प्रदान की गई जानकारी गलत, अपूर्ण या भ्रामक पायी जाती है, तो उसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। ऐसी स्थिति में भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण पर अभ्यर्थी का आवेदन निरस्त किया जा सकता है तथा उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 एवं भर्ती/विज्ञप्ति नियमों के अनुसार कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा OTR में दर्ज की गई सूचनाएं प्रदर्शित रहेंगी एवं उसमें संशोधन नहीं किया जा सकेगा। अन्य सभी सूचनाएँ अभ्यर्थी को सावधानी पूर्वक भरनी होंगी। ई-मित्र संचालक द्वारा ऑनलाईन आवेदन में यदि कोई गलत प्रविष्टि की जाती है तो उसे अभ्यर्थी की ही गलती माना जावेगा। आवेदन पत्र को Final Submit करते ही अभ्यर्थी का ऑनलाईन आवेदन क्रमांक जेनरेट हो जायेगा। अभ्यर्थी को इस ऑनलाईन आवेदन पत्र का प्रिन्ट अपने पास सुरक्षित रख लेना चाहिए। अभ्यर्थी को एकबारीय पंजीयन शुल्क जमा करवाने हेतु किसी अन्य पोर्टल अथवा सुविधा का उपयोग नहीं करने की सलाह दी जाती है।

- I. अभ्यर्थी एकबारीय पंजीयन शुल्क का भुगतान आवेदन की अंतिम दिनांक से पूर्व सुनिश्चित करें ताकि किसी प्रकार की भुगतान संबंधित Transaction के लम्बित रहने का सत्यापन समय रहते हो सके अन्यथा इसकी जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।
- II. अभ्यर्थी अपने स्वयं का ही मोबाईल नम्बर एवं स्वयं की ई-मेल आई.डी. दर्ज करें तथा नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण होने तक इसे नहीं बदलें। ज्ञातव्य रहे कि महत्वपूर्ण सूचनाएँ आवेदन में दर्ज मोबाईल नम्बर एवं ई-मेल आई.डी. पर ही भेजी जाती है। **आवेदक अपनी स्वयं की SSO ID से ही आवेदन भरना सुनिश्चित करें। अन्य दूसरी SSO ID से भरा गया आवेदन मान्य नहीं किया जावेगा।**
- III. **आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात् ऑनलाईन आवेदन पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से प्राप्त होगा और यदि आवेदन पत्र क्रमांक (Application ID) अंकित या प्राप्त नहीं हुआ है, तो इसका अर्थ यह है कि उसका आवेदन पत्र स्वीकार नहीं हुआ है। आवेदन पत्र के Preview को आवेदन का Submit होना नहीं माना जायेगा।**
- IV. अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित तिथि तक ऑनलाईन आवेदन करना अनिवार्य होगा, किसी भी परिस्थिति में ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- V. आवेदक को आवेदन करते समय अगर किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो Recruitment Portal पर दिये गये Helpdesk Number या E-Mail-ITCELL.RSSB@RAJASTHAN.GOV.IN तथा RECRUITMENTHELPDESK@RAJASTHAN.GOV.IN पर सम्पर्क करें। ई-मित्र हैल्पलाइन नम्बर 0141-2922241/2922238 एवं ऑनलाइन आवेदन संबंधी समस्याओं के लिये हैल्पलाइन नम्बर 0294-3057541 पर सम्पर्क करें।
- VI. **अभ्यर्थी बिना कार्यालय में उपस्थित हुए अपनी परीक्षा संबंधी समस्याओं/शिकायतों को ईमेल द्वारा pg.rssb@rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन भिजवा सकते है।**
- VII. आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन में गलत सूचना देने/तथ्य छुपाने पर बोर्ड अभ्यर्थी पर नियमानुसार कार्यवाही के लिए स्वतंत्र होगा।
- VIII. समस्त सूचनाएं बोर्ड की वेबसाईट **rssb.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्रकाशित/सूचित की जायेगी। कृपया इस भर्ती परीक्षा के संबंध में समस्त अद्यतन जानकारी के लिये बोर्ड की वेबसाईट को निरंतर रूप से देखते रहें। अलग से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा।**

2. एकबारीय पंजीयन शुल्क-कार्मिक विभाग के परिपत्र दिनांक 19.04.2023 के द्वारा अभ्यर्थियों को अपनी SSO ID द्वारा लॉगिन करने के बाद एकबारीय पंजीयन प्रणाली (One Time Registration) ऑप्शन पर जाकर निम्नानुसार निर्धारित पंजीयन शुल्क **राज्य के निर्धारित ई-मित्र कियोस्क या जन सुविधा केन्द्र (C.S.C.)** के माध्यम से चयन बोर्ड को ऑनलाईन जमा करावें।

(क) सामान्य वर्ग व क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के आवेदक हेतु -**रूपये 600/-**

(ख) राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आवेदक हेतु -**रूपये 400/-**

(ग) समस्त दिव्यांगजन आवेदक हेतु-**रूपये 400/-**

नोट:-

1. राजस्थान राज्य से भिन्न अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य वर्ग का अभ्यर्थी माना जायेगा। अतः ऐसे आवेदकों को सामान्य अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित पंजीयन शुल्क देना होगा।
2. पूर्व में एकबारीय पंजीयन शुल्क (OTR) जमा करवा चुके अभ्यर्थियों से दुबारा शुल्क देय नहीं होगा।
3. कार्मिक विभाग (क-2) द्वारा परिपत्र क्रमांक-प.8(3)कार्मिक/क-2/2023-34443 दिनांक 09.05.2025 के क्रम में अभ्यर्थियों के लिये निर्देश जारी किये गये हैं कि यदि कोई अभ्यर्थी राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर या राजस्थान राज्य की अन्य किसी भर्ती एजेन्सी द्वारा एक वित्तीय वर्ष (01 अप्रेल-31 मार्च) में आयोजित किन्हीं दो परीक्षाओं में उपस्थित नहीं होता तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी के ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा अर्थात एकबारीय पंजीयन (OTR) सुविधा को प्रतिबंधित (Block) कर दिया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थी प्रथम बार प्रतिबंधित होने पर पैनल्टी शुल्क 750/- रूपये देकर अपना एकबारीय पंजीयन शुल्क (OTR) पुनः चालू कर सकेंगें। यदि अभ्यर्थी पुनः उसी वित्तीय वर्ष में दो और भर्ती-परीक्षाओं में अनुपस्थित हो जाता है तो उसकी ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा को पुनः प्रतिबंधित (Block) कर दिया जायेगा तथा वापस सुविधा तभी उपलब्ध होगी जब पैनल्टी शुल्क दोगुना यानि 1500/- रूपये नहीं चुका देता। अतः तदनुसार बोर्ड द्वारा आगामी कार्यवाही की जावेगी।

3. समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) के अन्तर्गत विभाग के पदों के नाम का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम
1.	राजस्थान होम गार्ड अधीनस्थ सेवा	प्लाटून कमांडर
2.	राजस्थान अभियांत्रिकी अधीनस्थ सिंचाई सेवा	पटवारी
3.	राजस्थान अधीनस्थ लेखा सेवा	कनिष्ठ लेखाकार
4.	राजस्थान राजस्व लेखा अधीनस्थ सेवा	तहसील राजस्व लेखाकार
5.	राजस्थान महिला अधिकारिता अधीनस्थ सेवा	पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता)
6.	राजस्थान एकीकृत बाल विकास अधीनस्थ सेवा	पर्यवेक्षक
7.	राजस्थान कारागार अधीनस्थ सेवा	उप-जेलर
8.	राजस्थान समाज कल्याण अधीनस्थ सेवा	छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-II
9.	राजस्थान राजस्व (भू-अभिलेख, भू-प्रबन्ध एवं उपनिवेशन) अधीनस्थ सेवा	पटवारी
10.	राजस्थान पंचायती राज	ग्राम विकास अधिकारी
11.	राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (सेवा)	कनिष्ठ लेखाकार
12.	राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्य एवं अधीनस्थ सेवा	छात्रावास अधीक्षक (पुरुष/महिला) ग्रेड-II

नोट:-बोर्ड द्वारा संबंधित पद की मुख्य परीक्षा हेतु विज्ञापन जारी करते समय विभागवार एवं सेवावार रिक्त पदों की संख्या दर्शायी जावेगी।

विशेष सूचना:-

1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।
2. कार्मिक (क-2) विभाग, राजस्थान सरकार की अधिसूचना दिनांक 17.01.2013 के अनुसार किसी वर्ष विशेष में सीधी भर्ती के लिए राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अधिसूचना दिनांक 28.07.2023 के अनुसार पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के पात्र एवं उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की दशा में उनके लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियों को अधिकतम पश्चात्वर्ती तीन भर्ती वर्षों के लिए अग्रेषित किया जायेगा। तीन भर्ती वर्षों की समाप्ति के पश्चात ऐसी अग्रेषित की गई रिक्तियां सामान्य प्रक्रिया के अनुसार भरी जायेगी परन्तु यदि किसी भर्ती वर्ष में भर्ती नहीं की जाती है तो ऐसे भर्ती वर्ष को इस प्रयोजन के लिए संगणित नहीं किया जाएगा।
   परन्तु इस प्रावधान के अधीन सामान्य प्रक्रिया के अनुसार रिक्तियों का भरा जाना पद आधारित रोस्टर के अनुसार पदों के आरक्षण को प्रभावित नहीं करेगा और रोस्टर में आरक्षित पदों पर उपलब्ध रिक्तियों को अनुसूचित जातियों या, यथास्थिति, अनुसूचित जनजातियों की श्रेणी के व्यक्तियों में से भरा जा सकेगा जिनके लिये ऐसी रिक्तियां पश्चात्वर्ती वर्षों में उपलब्ध हों।
3. राजस्थान के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के आरक्षित पदों हेतु पात्र एवं उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर इन पदों को नियमानुसार सामान्य प्रक्रिया से भरा जाएगा।
4. महिलाओं हेतु रिक्तियों का आरक्षण क्षैतिज (Horizontal) प्रवर्गानुसार (Categorywise) 30 प्रतिशत होगा। महिला अभ्यर्थियों का आरक्षण उस संबंधित प्रवर्ग में जिनकी वे महिला आवेदक हैं, आनुपातिक रूप से समायोजित किया जाएगा।
   स्पष्टीकरण:- किसी वर्ग (अनारक्षित पद (सामान्य वर्ग)/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) की पात्र एवं उपयुक्त महिला आवेदक उपलब्ध नहीं होने पर उस पद को उसी वर्ग के पुरूष आवेदक से भरा जाएगा। विवाहित महिला आवेदक को अपने पिता के नाम, निवास स्थान एवं आय के आधार पर जारी अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग का नॉन क्रीमीलेयर का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। राजस्थान के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) हेतु महिला अभ्यर्थियों हेतु पति एवं पिता के नाम व आय के आधार पर जारी प्रमाण पत्र मान्य होगा।
5. कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 13.01.2016 के अनुसार महिलाओं हेतु 30 प्रतिशत आरक्षित दर्शाए गए पदों में नियमानुसार 8 प्रतिशत पद विधवा एवं 2 प्रतिशत परित्यक्ता (विवाह-विच्छिन्न महिला) श्रेणी की महिलाओं के लिए आरक्षित है। यदि विज्ञापित पदों के लिये पर्याप्त विधवा अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होती हैं तो विधवा श्रेणी के लिये आरक्षित पदों को उसी श्रेणी की परित्यक्ता (विवाह-विच्छिन्न महिला) से भरा जायेगा। इसी प्रकार यदि पर्याप्त परित्यक्ता अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होती है तो इनके लिये आरक्षित पद को उसी श्रेणी की विधवा महिला से भरा जायेगा। यदि विधवा एवं परित्यक्ता दोनों ही पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होती है तो इनके लिये आरक्षित पद को उसी श्रेणी की सामान्य महिला से भरा जायेगा। **पात्र तथा उपयुक्त महिला अभ्यर्थी के उपलब्ध ना होने की दशा में उनके लिये इस प्रकार आरक्षित रिक्तियाँ उस प्रवर्ग के पुरूष अभ्यर्थियों द्वारा भरी जाएगी जिसके लिये रिक्तियाँ आरक्षित हैं। महिला अभ्यर्थियों के लिये इस प्रकार आरक्षित रिक्ति पश्चातवर्ती वर्ष के लिये अग्रनीत नहीं की जायेगी। विधवा आवेदक होने की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध विवाह संपन्न होने की दशा में पति की मृत्यु का प्रमाण-पत्र एवं परित्यक्ता महिला (विवाह विच्छिन्न महिला) को विवाह विच्छेद का न्यायालय का आदेश/डिक्री की न्यायालय द्वारा जारी प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी आवश्यक होगी। परित्यक्ता महिला (विवाह विच्छिन्न महिला) को विवाह विच्छेद का न्यायालय का आदेश/डिक्री इस भर्ती में आवेदन करने की अंतिम तिथि तक का प्रस्तुत करना होगा।**
6. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दीवानी अपील संख्या 1085/2013 में पारित निर्णय दिनांक 30.08.2018 एवं माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा डी.बी.विशेष अपील (रिट्स) संख्या 1116/2018 में पारित निर्णय दिनांक 18.09.2018 के अनुसार राजस्थान राज्य के बाहर अर्थात अन्य राज्य की महिला जो विवाहोपरान्त राजस्थान राज्य की मूल निवासी बन जाती है तो उसे सार्वजनिक नियोजन में एससी/एसटी/ओबीसी/एमबीसी वर्ग में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जायेगा। इसलिए उन्हें सामान्य वर्ग के अन्तर्गत ही आवेदन करना होगा। अन्य राज्य की किसी भी श्रेणी की महिला का राजस्थान में विवाह होने के उपरान्त राजस्थान का मूल निवास एवं EWS का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर उसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के लिए पात्र माना जावेगा।
7. **अति पिछड़ा वर्ग के लिये** राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.2 (12)/विधि/2/2019 दिनांक 13.02.2019 के अनुसार राजस्थान राज्य के अति पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों (नॉन क्रीमीलेयर) को 05 प्रतिशत आरक्षण देय है।
8. **आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये** राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.7 (1)/कार्मिक/क-2/2019 दिनांक 19.02.2019 एवं 20.10.2019 के अनुसार राजस्थान राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण देय है।
9. कार्मिक (क-2) विभाग के परिपत्र दिनांक 26.07.2017 के अनुसार सामान्य श्रेणी के पदों के विरूद्ध चयन हेतु **आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के केवल वे ही आवेदक पात्र होंगे जिन्होंने आवेदन शुल्क के अतिरिक्त आरक्षित श्रेणी के लिये देय किसी अन्य छूट का लाभ नहीं उठाया है।**
10. राजस्थान राज्य के अलावा ऐसे अभ्यर्थी जो अन्य राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के मूल निवासी हैं तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की श्रेणी में आते हैं, को इस भर्ती प्रक्रिया के लिये सामान्य वर्ग का अभ्यर्थी माना जायेगा। अन्य राज्य के आवेदकों को उक्त लाभ देय नहीं होने के कारण उन्हें सामान्य वर्ग की श्रेणी के अन्तर्गत ही आवेदन करना होगा।
11. **बारां जिले की सहरिया आदिम जाति** के अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में अपनी श्रेणी के संबंधित कॉलम में स्पष्ट रूप से अंकन करने पर ही राज्य सरकार के निर्देश क्रमांक प.13(25) कार्मिक/क-2/91 पार्ट दिनांक 16.01.2020 के अनुसार बारां जिले में सहरिया जाति के लिये निर्धारित आरक्षण का लाभ देय होगा, अन्यथा सामान्य श्रेणी में माना जायेगा।
12. **भूतपूर्व सैनिकों हेतु :-**
    (क) भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित पदों का लाभ देय नहीं होगा।
    (ख) भूतपूर्व सैनिक :-
    (1) प्रतिरक्षा (थल, जल, वायु सेना) सेवाओं से सेवामुक्ति के समय आवेदक का चरित्र "अच्छा" श्रेणी से कम श्रेणी का नहीं होना चाहिये जैसा कि उसकी सेवामुक्ति संबंधी दस्तावेज में दर्शाया गया हो।
    (2) प्रतिरक्षा सेवा से सेवामुक्ति के पश्चात् किसी आवेदक का चरित्र ऐसा होना चाहिये जो उसे पश्चातवर्ती नियोजन के लिये अर्हक बना दे।
    - **भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण राजस्थान सिविल सेवा (भूतपूर्व सैनिकों का आमेलन) नियम, 1988 के प्रावधानो के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों के लिए 12.5 प्रतिशत पद आरक्षित है। कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 07.12.2022 के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों के लिये रिक्तियों का आरक्षण सीधी भर्ती में प्रवर्गवार (क्षैतिज) होगा। किसी वर्ष विशेष में पात्र और उपयुक्त भूतपूर्व सैनिकों की अनुपलब्धता की दशा में, उनके लिये इस प्रकार आरक्षित रिक्तियां सामान्य प्रकिया के अनुसार भरी जायेंगी और रिक्तियों की समान संख्या अगले भर्ती वर्ष में अग्रणीत की जायेंगी तथा तत्पश्चात् ऐसी रिक्तियां व्यपगत हो जायेंगी।** भूतपूर्व सैनिकों के लिये कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 22.12.2020 में वर्णित प्रावधान भी लागू होंगें।
    - **कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक एफ 5(16) डीओपी/ए-II/84 पार्ट IV दिनांक 01.08.2021 के अनुसार "भूतपूर्व सैनिक" के संदर्भ में व्यक्ति जो राज्य में बसे हुए हैं, से व्यक्ति जो राजस्थान का मूल निवासी है, अभिप्रेत है। उक्त अधिसूचना के अनुसार राजस्थान राज्य के मूल निवासी भूतपूर्व सैनिकों को ही भूतपूर्व सैनिक वर्ग के अन्तर्गत लाभ दिया जायेगा।**
    - "कोई व्यक्ति जो अपनी पेंशन अर्जित करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हो गया/गयी है या आगामी एक वर्ष के भीतर-भीतर सेवानिवृत्त हो रहा/रही है पर उसने सक्षम प्राधिकारी से निराक्षेप प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है, पद के लिए आवेदन करने का पात्र होगा/होगी, किन्तु पदग्रहण से पूर्व उसे समुचित नियुक्ति प्राधिकारी के समक्ष सेवानिवृत्ति का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। यदि कोई भूतपूर्व सैनिक निराक्षेप प्रमाणपत्र (एन.ओ.सी.) के आधार पर आवेदन करता/करती है और वास्तविक सेवानिवृत्ति से पूर्व चयनित हो जाता/जाती है तो नियुक्ति प्राधिकारी पदग्रहण कालावधि को शिथिल कर सकेगा और उसे उसकी सेवानिवृत्ति के दो माह की किसी कालावधि के भीतर-भीतर पद ग्रहण करने के लिए अनुज्ञात किया जावेगा।"
    - **"यदि किसी पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा अर्हित करने के लिए एक प्रश्नपत्र में न्यूनतम अर्हक उत्तीर्ण अंक/या कुल अंक, जहां कहीं भी विहित किये गये हों, तो पांच प्रतिशत या भूतपूर्व सैनिक की अनुपलब्धता की दशा में और पांच प्रतिशत अथवा सुसंगत सेवा नियमों में यथा विहित, जो भी उच्चतम हो, का शिथिलीकरण भूतपूर्व सैनिकों को दिया जायेगा।";**
    - भूतपूर्व सैनिकों के लिये कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 22.12.2020 के अनुसार आवेदन के समय, कम्प्यूटर अर्हता सुसंगत सेवा नियमों में जहां कहीं भी विहित हो, अनिवार्य नहीं होगी। नियुक्त व्यक्ति पद ग्रहण करने से पूर्व सुसंगत सेवा नियमों में यथा विहित कोई कम्प्यूटर अर्हता रखेगा। इसके अलावा कम्प्यूटर साक्षरता, सुसंगत सेवा नियमों में जहां कहीं भी विहित हो, से संबंधित शैक्षणिक अर्हताओं के अतिरिक्त, भारत सरकार की किसी रक्षा संस्था से न्यूनतम तीन माह का प्रमाणपत्र भी कम्प्यूटर अर्हता के रूप में स्वीकृत होगा।
    - यदि किसी कारणवश भूतपूर्व सैनिक कार्यग्रहण नहीं करता है तो ऐसी स्थिति को नियमानुसार सामान्य प्रक्रिया के अनुसार भरा जायेगा और रिक्तियों की समान संख्या अगले भर्ती वर्ष में अग्रणीत की जायेगी तथा तत्पश्चात ऐसी रिक्तियां व्यपगत (Lapse) हो जावेगी।
    - किसी भूतपूर्व सैनिक द्वारा राज्य के अधीन किसी भी लोक सेवा में नियोजन स्वीकार कर लेने के बाद वह भूतपूर्व सैनिक के रूप में अपनी प्रास्थिति (Status) खो देगा और वह केवल लोकसेवक (Civil Employee) के रूप में ही माना जाएगा। अर्थात् भूतपूर्व सैनिक के रूप में देय आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के उपरान्त लोक सेवा के किसी पद पर पुर्नियोजन स्वीकार करते ही उसका भूतपूर्व सैनिक के रूप में कोई भी लाभ प्राप्त करने का अधिकार सामान्यतः समाप्त समझा जावेगा, परन्तु सीधी भर्ती के ऐसे पदों के संबंध में, जहां नियमों में निम्न पद का अनुभव भी निर्धारित किया गया है, किसी भूतपूर्व सैनिक द्वारा निम्न पद पर नियोजित होने के कारण, भूतपूर्व सैनिक के रूप में आरक्षण का अधिकार समाप्त हुआ नहीं समझा जायेगा परन्तु यह और कि यदि कोई भूतपूर्व सैनिक राजस्थान सरकार के अधीन किसी नियोजन को ग्रहण करने से पूर्व, विभिन्न पदों के लिये आवेदन करता है और संबंधित नियोजक को, राजस्थान सरकार के अधीन प्रारम्भिक पद ग्रहण करने से पूर्व, विभिन्न पद जिसके लिये उसने आवेदन किया है, के लिये आवेदन की तारीख वार ब्यूरो के बारे में स्वतः घोषणा पत्र/वचन बंधपत्र देता है तो ऐसे पदों पर नियुक्ति के लिये उसे भूतपूर्व सैनिक प्रवर्ग के फायदे से विवर्जित नहीं किया जायेगा। भूतपूर्व सैनिक जिसे राजस्थान सरकार के अधीन नैमित्तक/संविदा/अस्थाई/तदर्थ आधार पर पुनर्नियोजित किया गया है को भूतपूर्व सैनिक प्रवर्ग के फायदे से विवर्जित नहीं किया जायेगा।
13. **उत्कृष्ट खिलाड़ी के पदों हेतु- उत्कृष्ट खिलाडियों को आरक्षण राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक F.5(31)DOP/A-II/84 दिनांक 21.11.2019 के अनुसार कुल रिक्तियों का 2% देय होगा। उत्कृष्ट खिलाडी हेतु आरक्षित पदों का आरक्षण क्षैतिज (Horizontal) रूप से है अर्थात् आवेदक जिस वर्ग (सामान्य वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग) का होगा उसे उसी वर्ग के अन्तर्गत समायोजित किया जाएगा।** आरक्षित पदों हेतु पात्र एवं उपयुक्त आवेदक उपलब्ध नहीं होने पर इस पद को नियमानुसार सामान्य प्रकिया से भरा जाएगा और ऐसी रिक्ति पश्चात्वर्ती वर्ष के लिए अग्रनीत नहीं की जाएगी। उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी में केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें जो कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक एफ5(31)डीओपी/ए-II/84 दिनांक 21-11-2019 में नीचे वर्णित योग्यता रखता हो। इनसे भिन्न योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी का उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिये आरक्षित पदों पर चयन पर विचार नहीं किया जायेगा।

उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्बन्धी प्रावधान -कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक एफ5(31)डीओपी/ए-II/84 दिनांक 21-11-2019 के अनुसार "उत्कृष्ट खिलाड़ी" से ऐसे खिलाड़ी अभिप्रेत है जो राजस्थान राज्य के मूल निवासी है और जिन्होंने :-

1. सारणी के स्तंभ संख्यांक 2 में उल्लिखित अन्तर्राष्ट्रीय खेल संस्था द्वारा आयोजित नीचे दी गयी अनुसूची के स्तंभ संख्यांक 3 में उल्लिखित खेलकूद के किसी अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट/चैंपियनशिप में व्यक्तिशः या टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया हो;

क.सं. 1	अन्तर्राष्ट्रीय खेल संस्था 2	टूर्नामेंट /चैंपियनशिप का नाम 3
1.	अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आई.ओ.सी.)	ओलम्पिक गेम्स (ग्रीष्मकालीन)
2.	एशिया ओलम्पिक परिषद (ओ.सी.ए.)	एशियन गेम्स
3.	दक्षिण एशियन ओलम्पिक परिषद (एस.ए.ओ.सी.)	दक्षिण एशियन गेम्स, जो सामान्यतः सैफ गेम्स के रूप में जाने जाते हैं।
4.	राष्ट्रमण्डल खेल परिसंघ (सी.जी.एफ.)	राष्ट्रमण्डल गेम्स
5.	अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति से संबद्ध अन्तर्राष्ट्रीय खेल परिसंघ	विश्व कप/ विश्व चैंपियनशिप
6.	एशिया ओलम्पिक परिषद से संबद्ध एशियन खेल परिसंघ	एशियन चैंपियनशिप
7.	अन्तरराष्ट्रीय स्कूल खेल परिसंघ (आई.एस.एस.एफ.)	अन्तरराष्ट्रीय स्कूल गेम्स/चैंपियनशिप
8.	एशियन स्कूल खेल परिसंघ (ए.एस.एस.एफ)	एशियन स्कूल गेम्स/चैंपियनशिप

या

2. स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित किसी खेलकूद के किसी स्कूल नेशनल गेम्स में व्यक्तिशः या टीम स्पर्धा में मेडल जीता हो ;

या

3. इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन या इससे संबद्ध नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (एन.एस.एफ.) द्वारा आयोजित किसी खेलकूद के किसी राष्ट्रीय टूर्नामेंट/चैंपियनशिप में व्यक्तिशः या टीम स्पर्धा में मेडल जीता हो ;

या

4. एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज द्वारा आयोजित ऑल इण्डिया इंटरयूनिवर्सिटी के किसी खेलकूद में व्यक्तिशः या टीम स्पर्धा में मेडल जीता हो;

या

5. इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन/पैरा ओलम्पिक कमेटी ऑफ इण्डिया या इससे संबद्ध नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित किसी खेलकूद की नेशनल चैंपियनशिप/पैरा नेशनल चैंपियनशिप या नेशनल गेम्स/नेशनल पैरा गेम्स में व्यक्तिशः या टीम स्पर्धा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया हो।"

नोट– कृपया उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी में वही अभ्यर्थी आवेदन करें जिनके पास उपरोक्त बिन्दु संख्या 1 से 5 में वर्णित श्रेणियों के अन्तर्गत खेल प्रमाण पत्र प्राप्त किये गये हों। यदि किसी अभ्यर्थी ने जान–बूझकर बिना योग्य खेल प्रमाण पत्र उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी अंकित की है, तो बोर्ड ऐसे अभ्यर्थी के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिये स्वतंत्र होगा। **उत्कृष्ट खिलाडी को खेल प्रमाण पत्र इस भर्ती में आवेदन करने की अंतिम तिथि तक का प्रस्तुत करना होगा। ऑनलाईन आवेदन में भरे खेल प्रमाण पत्र की सूचना को ही स्वीकार किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य खेल प्रमाण पत्र/मिसमैच खेल प्रमाण की सूचना को मान्य नहीं किया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थियों को अपात्र/ डिबार किया जायेगा।**

14. दिव्यांगजन (निःशक्तजन) के लिये :–

a. राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार नियम, 2018 यथा संशोधित के अन्तर्गत निम्नलिखित श्रेणी के दिव्यांगजन को ही आरक्षण का लाभ देय है:–

i. B/LV (Blindness/ Low vision)
ii. Deaf &Hard of Hearing
iii. LD/CP (Locomotor Disability) including Cerebral palsy, Leprosy Cured, Dwarfism, Acid attack victims & Muscular dystrophy
iv. Autism, Intellectual Disability, Specific Learning Disability & Mental Illness.
v. Multiple Disabilities from amongst persons under clauses (i) to (iv) including deaf- blindness in the posts indentified for each disabilities.

नोट:– परंतु संबंधित विभाग द्वारा पद विशेष के लिए उपरोक्त दिव्यांगजन श्रेणियों में से छूट/शिथिलन लेने पर उपयुक्त दिव्यांगजन श्रेणी को ही उस संबंधित पद के लिए योग्य माना जायेगा।

b. दिव्यांगजन के लिये दर्शाए गए आरक्षित पदों का आरक्षण भी क्षैतिज (Horizontal) रूप से है अर्थात अभ्यर्थी जिस वर्ग (सामान्य वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) का होगा उसे उसी वर्ग के अन्तर्गत समायोजित किया जाएगा।

c. राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार नियम, 2018 के अनुसार जहां किसी भर्ती वर्ष में कोई रिक्ति, उपयुक्त बैंचमार्क दिव्यांगजन की अनुपलब्धता के कारण या किसी अन्य कारण से भरी नहीं जा सकी हो, तो ऐसी रिक्ति आगामी भर्ती वर्ष में अग्रेषित की जाएगी और यदि आगामी भर्ती वर्ष में भी उपयुक्त बैंचमार्क दिव्यांगजन उपलब्ध नहीं होता है, तो उसे प्रथमतः दिव्यांगजन की निर्धारित विभिन्न श्रेणियों में अन्तरपरिवर्तन (Interchange) कर भरा जाएगा। यदि उस वर्ष में भी कोई दिव्यांगजन उपलब्ध नहीं होता है तो नियोक्ता उस रिक्ति को दिव्यांगजन के अलावा अन्य व्यक्ति से भर सकेगा।

d. दिव्यांगजन आवेदक Online application form में यथास्थान अपने वर्ग एवं दिव्यांगजन की श्रेणी विशेष का अवश्य उल्लेख करें। दिव्यांगजन प्रमाण पत्र इस भर्ती में आवेदन करने की अंतिम तिथि से पूर्व का प्रस्तुत करना होगा। ऑनलाईन आवेदन में भरे दिव्यांग प्रमाण पत्र की सूचना को ही स्वीकार किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य दिव्यांग प्रमाण पत्र/मिसमैच दिव्यांग प्रमाण की सूचना को मान्य नहीं किया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थियों को अपात्र/डिबार किया जायेगा।

e. ऐसे आवेदक जो दिव्यांगजन की श्रेणी में आते हैं, अपनी दिव्यांगजन के सम्बन्ध में राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार नियम, 2018 के अनुसार समुचित सरकार द्वारा निर्धारित चिकित्सा प्राधिकारी के द्वारा प्रदत्त स्थाई दिव्यांगजन प्रमाण–पत्र (Permanent Disability Certificate) में दिव्यांगजन का स्पष्ट प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा। राजस्थान निःशक्तता व्यक्तियों के नियोजन नियम के अनुसार मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त निःशक्तता (दिव्यांगजन) का प्रमाण पत्र जो 40 प्रतिशत या इससे अधिक विशेष योग्यजन होने पर ही अभ्यर्थी को दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पदों हेतु पात्र माना जाएगा।

f. राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार (संशोधित) नियम–2021 दिनांक 14.10.2021 के नियम 6(8) में किए गए प्रावधान के अनुसार संबंधित सेवा नियमों में "यदि किसी पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा अर्हित करने के लिए एक प्रश्नपत्र में न्यूनतम अर्हक उत्तीर्ण अंक/या कुल अंक, जहां कहीं भी विहित किये गये हों, तो पांच प्रतिशत का शिथिलीकरण दिव्यांगजन को दिया जायेगा।"

g. कार्मिक (क–2) विभाग के राजकाज क्रमांक 17019339 दिनांक 08.08.2025 के अनुसार दिव्यांग प्रमाण पत्र के संबंध में नई गाईडलाईन जारी की गई है जिसमें मेडिकल कॉलेज के अधीक्षकों को दिव्यांगता प्रमाण जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। अतः उक्त भर्ती में दिव्यांगजनों हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन में UDId कार्ड को वैध प्रमाण (Valid Proof) के रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। दिव्यांग अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन में UDId Registration/card का विवरण भरना होगा।

4. पात्रता एवं शैक्षणिक योग्यता:–

कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 23.05.2022 एवं 13.10.2022 के अनुसार समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) में उपस्थित होने के लिये शैक्षिक अर्हताएँ **"स्नातक या उसके समतुल्य"** होगी।

समान पात्रता परीक्षा हेतु निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के अंतिम वर्ष में सम्मिलित होने वाले है या सम्मिलित हो रहे है अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगें परंतु संबंधित विभागीय नियमों के प्रावधान के अनुरूप उनको शैक्षणिक अर्हता अर्जित करनी अनिवार्य होगी।

समान पात्रता परीक्षा में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिए शैक्षिक अर्हता, आयु, अनुभव आदि ऐसी होगी जो पद पर भर्ती को शासित करने वाले सुसंगत सेवा नियमों में यथा विहित है। समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) में सम्मिलित सेवाओं के लिये मुख्य परीक्षा हेतु जारी विज्ञापन में विभागीय नियमों के अनुसार उल्लेखित शैक्षणिक योग्यताएँ एवं आयु सीमा का प्रावधान संबंधित पद के लिये अलग से लागू होगें।

5. अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए विशेष निर्देश :–

1. अनुसूचित क्षेत्र के उक्त रिक्त पदों के लिये केवल राजस्थान राज्य के अनुसूचित क्षेत्र के स्थानीय निवासी ही आवेदन कर सकेंगें। अनुसूचित क्षेत्र के आवेदक ऑनलाईन आवेदन में अनुसूचित क्षेत्र के कॉलम में स्पष्ट रूप से अंकन करें। अनुसूचित क्षेत्र के कॉलम में अंकन नहीं करने की स्थिति में उनके आवेदन पर अनुसूचित क्षेत्र के पदों के लिये विचार नहीं किया जायेगा। अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों से ऐसे व्यक्ति अभिप्रेत है जो अनुसूचित क्षेत्र के सद्भावी निवासी है और जो स्वयं या, यदि उनका जन्म 1 जनवरी, 1970 के बाद हुआ है तो उनके माता–पिता/पूर्वज 1 जनवरी 1970 के पूर्व से अनुसूचित क्षेत्र के सद्भावी निवासी रहे है। कार्मिक(क–2) विभाग की अधिसूचना दिनांक 21.10.2019 के अनुसार इनके अन्तर्गत आने वाले किसी व्यक्ति से विवाह द्वारा संबंधित है और वह अपने विवाह के बाद से अनुसूचित क्षेत्र का सद्भावी निवासी है।
2. गैर अनुसूचित क्षेत्र की रिक्तियों के विरुद्ध अनुसूचित क्षेत्र के निवासी भी आवेदन कर सकेंगें। यदि अभ्यर्थी का चयन अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र दोनों में होता है, तो अभ्यर्थी पात्रता जांच एवं दस्तावेजों के सत्यापन के समय अपनी प्राथमिकता प्रस्तुत करनी होगी कि वह अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र दोनों में से किस क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर अपना चयन चाहता है।

   नोट:– अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थी को दस्तावेज सत्यापन के समय अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र की प्राथमिकता देनी होगी।
3. अनुसूचित क्षेत्र के लिए अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति आरक्षण की गणना राज्य सरकार की अधिसूचना संख्या एफ.13(20) कार्मिक/क–2/91/पार्ट दिनांक 04.07.2016 के अनुसार की जायेगी।
4. अनुसूचित क्षेत्र के लिए कार्मिकों का चयन राजस्थान अनुसूचित क्षेत्र अधीनस्थ, मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती एवं अन्य सेवा शर्तें) नियम–2014 के अधीन होगा। जहां पर इन नियमों में स्पष्ट प्रावधान नहीं है, वहां पर संबंधित विभागीय नियमों के प्रावधान लागू होंगे।
5. अनुसूचित क्षेत्र भारत के राष्ट्रपति, द्वारा समय–समय पर यथा संशोधित अधिसूचना संख्या एफ. 19(2) 80–एल–1 दिनांक 12.02.1981 द्वारा घोषित क्षेत्र के क्रम में कार्मिक(क–2) विभाग ने अपने परिपत्र क्रमांक प.13(20) कार्मिक/क–2/91/पार्ट–3 दिनांक 01.06.2018 द्वारा भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना दिनांक 19.05.2018 (बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध) के द्वारा अनुसूचित क्षेत्र को विखण्डित (Rescinds) करते हुए, अनुसूचित क्षेत्रों को पुनः परिनिश्चित (Redefined) किया गया है। अनुसूचित क्षेत्र के आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम अधिसूचना में शामिल अनुसूचित क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुये ही अनुसूचित क्षेत्र के कॉलम में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करें।

   नोट–अनुसूचित क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए पात्रता एवं शैक्षणिक योग्यता, राष्ट्रीयता, आयु, पंजीयन शुल्क जमा कराने एवं ऑनलाईन आवेदन भरने एवं आवेदन में संशोधन की प्रक्रिया, नियुक्ति की अयोग्यताएं, अनुचित साधनों की रोकथाम एवं परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं स्कीम संबंधी प्रावधान गैर–अनुसूचित क्षेत्र के समान यथावत लागू होंगे।

6. राष्ट्रीयता :–

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल का प्रजाजन हो, या

(ग) भूटान का प्रजाजन हो, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो दिनांक 1–1–62 से पहले भारत में स्थाई रूप से बसने के विचार से आया था, या

(ड.) भारतीय मूल का व्यक्ति ने जो भारत में स्थाई रूप से बसने के विचार से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश कीनिया, युगान्डा और संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिया तथा जंजीबार), जाम्बिया, मालवी, जैर और इथोपिया से भारत में स्थानान्तरण कर लिया हो।

नोट–परन्तु शर्त यह है कि वर्ग (ख),(ग),(घ),(ड.) से सम्बन्धित प्रार्थियों को भारत सरकार के गृह एवं न्याय विभाग द्वारा प्रदत्त पात्रता का वांछित प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

7. आयु:–

आवेदक समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)–2026 के लिये 1, जनवरी 2027 को न्यूनतम 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुका हो तथा 40 वर्ष का नहीं हुआ हो, परन्तु राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.7/6/कार्मिक/क–II/2008 दिनांक 23.09.2008 यथा संशोधित के अनुसार "जिस भर्ती वर्ष विशेष में सीधी भर्ती के पदों के लिये भर्ती नहीं हुई हो और यदि कोई आवेदक उस वर्ष की भर्ती में आयु की दृष्टि से पात्र था तो उसे आयु की दृष्टि से पात्र माना जावेगा, किन्तु यह छूट 3 वर्ष से अधिक नहीं दी जावेगी।"

नोट:– समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)–2026, इस विज्ञापन में शामिल पदों के लिए पात्रता परीक्षा है। इन पदों के लिए आयु संबंधी प्रावधान पद विशेष के लिए निर्धारित सेवा नियमों के अनुसार लागू होंगे।

उच्चतम आयु सीमा में अन्य विशेष श्रेणियों में छूट निम्न प्रकार देय होगी:–

1. आयु सीमा में छूट के प्रावधान :–

   (क) सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के मामले में 5 वर्ष की छूट दी जायेगी।

   (ख) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को जो राजस्थान के स्थायी निवासी हैं, के मामले में 5 वर्ष की छूट दी जायेगी।

   (ग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को जो राजस्थान की स्थायी निवासी है, के मामले में 10 वर्ष की छूट दी जायेगी।
2. इस सेवा के किसी पद पर अस्थाई नियुक्त व्यक्ति अगर प्रारम्भिक नियुक्ति के समय आयु सीमा में थे, तो उन्हें आयु सीमा में समझा जायेगा चाहे वे विभाग के समक्ष आखिरी उपस्थिति के समय उसे पार कर चुके हो और यदि वे उनकी प्रारम्भिक नियुक्ति के समय इस प्रकार पात्र थे, तो उन्हें 2 अवसर दिये जायेंगे।
3. भूतपूर्व कैदी जो दण्डित होने से पूर्व राज्य सरकार के अधीन किसी पद पर मौलिक (Substantive) रूप से कार्य कर चुका हो और इन नियमों के तहत नियुक्ति के योग्य था, के मामले में अधिकतम आयु सीमा लागू नहीं होगी।
4. उस भूतपूर्व कैदी के मामले में जो अपनी दोषसिद्धि के पूर्व अधिकायु नहीं था और नियमों के अधीन नियुक्ति के पात्र था, उपरिवर्णित अधिकतम आयु सीमा में उसके द्वारा भुक्त कारावास की कालावधि के बराबर की अवधि की छूट दी जायेगी।
5. एन.सी.सी. के कैडेट प्रशिक्षकों के मामले में उपर्युक्त वर्णित अधिकतम आयु सीमा में उनके द्वारा एन.सी.सी. में की गई सेवा की कालावधि के बराबर छूट दी जाएगी और यदि पारिणामिक आयु विहित अधिकतम आयु सीमा से 3 वर्ष से अधिक न हो तो उन्हे विहित आयु सीमा में ही समझा जाएगा।
6. राजस्थान राज्य, पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों और राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/निगमों के कार्यकलापों के संबंध में सेवारत कर्मचारी जो अधिष्ठायी (Substantive) हैसियत से कार्य कर रहे है की ऊपरी आयु सीमा 40 वर्ष होगी।
7. रिलीव्ड इमरजेन्सी कमीशन्ड ऑफिसर/शोर्ट सर्विस कमीशन्ड सेवा में कमीशन ग्रहण करते समय यदि इस पद के लिए इस प्रकार पात्र थे, तो सेवा से रिहा होने के बाद विभाग के समक्ष उपस्थिति के समय चाहे वे आयु सीमा पार कर चुके हों, पात्र समझा जावेगा।
8. 1971 के भारत–पाक युद्ध के दौरान पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्तियों के मामले में कोई आयु सीमा नही होगी।
9. बर्मा और श्रीलंका से 01.03.1963 को या इसके पश्चात् पूर्वी अफ्रीकी देश कीनिया, टांगानिका, युगाण्डा और जंजीबार से संप्रत्यावर्तित व्यक्तियों के मामलें में उपरिवर्णित उपरी आयु सीमा को 45 वर्ष तक शिथिल किया जावेगा साथ ही अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों के मामले में उसे 05 वर्ष और शिथिल किया जायेगा।
10. पूर्वी अफ्रीकी देश कीनिया, टांगानिका, युगाण्डा और जंजीबार से संप्रत्यावर्तित व्यक्तियों के मामलें में कोई आयु सीमा नहीं होगी।
11. आयोग के कार्य–क्षेत्र के भीतर न आने वाले पदों पर भर्ती के लिए उन व्यक्तियों की, जिनकी रिक्ति के अभाव में या पद की समाप्ति के कारण राज्य सरकार की सेवा से छंटनी कर दी गयी थी, ऊपरी आयु सीमा 35 वर्ष होगी बशर्ते कि वे उन पदों पर, जिन पर से उनकी प्रथमतः छंटनी की गयी थी, प्रारम्भिक नियुक्ति के समय इन नियमों के अधीन विहित अधिकतम आयु सीमा में थे परन्तु यह तब जबकि भर्ती के सामान्य विहित माध्यमों की सम्यक् रूप से अनुपालना कर ली जाये और अर्हता, चरित्र, चिकित्सीय आरोग्यता आदि से संबंधित समस्त अपेक्षाओं की पूर्ति कर ली जाये तथा उनकी छंटनी शिकायत या उपचार के कारण नहीं हुई हो और वे अंतिम नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा दिया गया अच्छी सेवाओं का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत कर दें।
12. विधवाओं और विवाह–विच्छिन्न महिलाओं के मामले में कोई आयु सीमा नहीं होगी किन्तु राज्य सरकार द्वारा निश्चित की गई सेवानिवृत्ति आयु से उसकी आयु कम हो।

    स्पष्टीकरण:– विधवा महिला के मामले में उसे किसी सक्षम प्राधिकारी का अपने पति की मृत्यु का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा तथा विवाह–विच्छिन्न महिला के मामले में विवाह विच्छेद का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
13. राजस्थान सिविल सेवा (भूतपूर्व सैनिकों का आमेलन) नियम, 1988 के अनुसार भूतपूर्व सैनिकों को अधिकतम आयु सीमा में 15 वर्ष की छूट देय होगी परन्तु इन नियमों के अधीन शिथिलकरण के पश्चात् यदि अनज्ञेय आयु 50 वर्ष से अधिक निकलती है तो उपरी आयु सीमा 50 वर्ष लागू होगी किन्तु सीधी भर्ती की दशा में जहां निम्नतर पद का अनुभव अनिवार्य है वहां 55 वर्ष की अधिकतम उपरी आयु सीमा लागू होगी। स्पष्टीकरण कार्मिक (क–2) विभाग के परिपत्र दिनांक 22.08.2019 के अनुसार राजस्थान सिविल सेवा भूतपूर्व सैनिकों का प्रावधानों के होते हुए भी किसी भर्ती से संबंधित सेवा नियमों में आयु संबंधी जो शिथिलता अन्य लोक सेवकों/अभ्यर्थियों को देय है, वह भूतपूर्व सैनिक को मिलेगा।
14. राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार (संशोधित) नियम–2021, के नियम 6(A) में किए गए प्रावधान के अनुसार संबंधित सेवा नियमों में निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में दिव्यांगजनों को 05 वर्ष की आयु सीमा में छूट दी जाएगी। विभिन्न श्रेणियों के दिव्यांगजनों को आयु सीमा में छूट सेवा नियमों में निर्धारित आयु सीमा में छूट के अतिरिक्त होगी।

नोट:–

(क) आयु संबंधी छूट की अधिक जानकारी के लिये संबंधित विभाग के नियमों एवं समय–समय पर राज्य सरकार द्वारा जारी संशोधन, निर्देश, परिपत्र एवं अधिसूचना का अध्ययन करें।

(ख) उपरोक्त बिन्दु 7 की क.सं. 1 से 13 पर वर्णित आयु सीमा में छूट के प्रावधान "Non Cumulative" है अर्थात अभ्यर्थियों को उपरोक्त क.सं. 1 से 13 में वर्णित किसी भी एक प्रावधान का अधिकतम आयु सीमा में छूट का लाभ दिया जायेगा। एक से अधिक प्रावधानों को जोड़ कर छूट का लाभ नहीं दिया जायेगा।

8. पंजीयन शुल्क जमा कराने एवं ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अवधि:–

(क) यदि आवेदक द्वारा OTR (One Time Registration) का एकबारीय पंजीयन शुल्क जमा नहीं किया गया है तो पंजीयन शुल्क राज्य के निर्धारित ई–मित्र कियोस्क, जन सुविधा केन्द्र (C.S.C.), नेट बैंकिंग, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से जमा कराया जा सकता है।

(ख) ऑनलाईन आवेदन पत्र **दिनांक 04.07.2026 से दिनांक 02.08.2026 रात्रि 23.59 बजे तक** SSO Portal पर Login कर Recruitment Portal पर भरे जा सकते है (इसके उपरांत लिंक निष्क्रिय हो जाएगा)। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि ऑनलाईन आवेदन की अन्तिम दिनांक का इन्तजार किए बिना समय सीमा के भीतर ऑनलाईन आवेदन करें।

9. परीक्षा आयोजन :–

समान पात्रता परीक्षा(स्नातक स्तर)–2026 की परीक्षा बोर्ड द्वारा दिनांक **01.12.2026 से दिनांक 03.12.2026 तक ऑफलाईन (ओ.एम.आर.) आधारित परीक्षा** आयोजित करवाई जाएगी। परीक्षा की दिनांक में परिवर्तन करने का अधिकार बोर्ड के पास सुरक्षित है।

बोर्ड द्वारा एक से अधिक चरणों में किसी भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा तो उसमें सामान्यीकरण (Normalization) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

10. प्रवेश पत्र–

समस्त अभ्यर्थियों को बोर्ड द्वारा आनॅलाईन प्रवेश–पत्र SSO Login पर एवं Recruitment Portal के लिंक https://recruitment.rajasthan.gov.in/rectlogingetadmitcard **पर जारी किये जाएंगे। बोर्ड द्वारा डाक से कोई भी प्रवेश पत्र नहीं भेजा जाएगा। प्रवेश–पत्र जारी किये जाने की सूचना समाचार पत्रों एवं बोर्ड की वेबसाईट के माध्यम से जारी की जाएगी। आवेदक अपना प्रवेश–पत्र SSO login एवं Recruitment Portal के लिंक** https://recruitment.rajasthan.gov.in/rectlogingetadmitcard **से प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र क्रमांक एवं SSO ID ध्यान मे रखे।**

11. नियुक्ति की अयोग्यताऐं :–

(1) किसी भी ऐसे पुरुष आवेदक को जिसकी एक से अधिक जीवित पत्नी हो चयनित किए जाने या नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जायेगा। किसी आवेदक को इस नियम की कार्यवाही से छूट दी जा सकती है यदि सरकार संतुष्ट हो कि ऐसा करने के लिए विशेष आधार हैं।

(2) किसी भी ऐसी महिला आवेदक को जिसने उस पुरुष से विवाह किया है जिसके पहले जीवित पत्नी है नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जायेगा। किसी महिला आवेदक को इस नियम की कार्यवाही से छूट दी जा सकती है यदि सरकार संतुष्ट हो कि ऐसा करने के लिए विशेष आधार है।

(3) कोई भी विवाहित आवेदक सेवा में नियुक्ति करने के लिए पात्र नहीं होगा/होगी, यदि उसने अपने विवाह के समय कोई दहेज स्वीकार किया हो।

(4) कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 16.03.2023 के अनुसार ऐसा कोई भी अभ्यर्थी, जिसके 1–6–2002 को या उसके पश्चात् दो से अधिक संतान हो, सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा परन्तु

i. दो से अधिक संतान वाला अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए तब तक निरर्हित नहीं समझा जायेगा, जब तक कि उसकी संतानों की उस संख्या में, जो 1 जून, 2002 को है, बढ़ोत्तरी नहीं होती है।
ii. जहां किसी अभ्यर्थी के पूर्वत्तर प्रसव से केवल एक ही संतान है किन्तु पश्चात्वर्ती किसी एकल प्रसव से एक से अधिक संतानें पैदा हो जाती हैं वहां संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय इस प्रकार पैदा हुई संतानों को एक इकाई समझा जायेगा।
iii. किसी अभ्यर्थी की संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय ऐसी संतान को नहीं गिना जायेगा जो पूर्व के प्रसव से पैदा हुई हो और निःशक्तता से ग्रस्त हो।
iv. कोई अभ्यर्थी जिसने पुनर्विवाह किया है जो किसी विधि के विरूद्ध नहीं है और वह ऐसे पुनर्विवाह से पूर्व इस उप–नियम के अधीन नियुक्ति के लिये निरर्हित नहीं है, उसे निरर्हित नहीं किया जायेगा यदि ऐसे पुनर्विवाह से एकल प्रसव द्वारा किसी संतान का जन्म हुआ हो।
v. इस उप–नियम के उपबंध किसी विधवा और विच्छिन्न–विवाह महिलाओं की नियुक्ति पर लागू नहीं होंगे।

(5) कोई भी उम्मीदवार जिसे राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने छद्मकारिता (अपने आप को अन्य व्यक्ति होना बताना) करने, या कांट–छांट किए हुए जाली दस्तावेज पेश करने या गलत बयान देने या महत्वपूर्ण सूचना छिपाने या परीक्षा में अनुचित तरीके काम में लेने या लेने का प्रयत्न करने, या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित तरीके अपनाने का दोषी घोषित किया हो, वह अपने आप को फौजदारी मुकदमों का उत्तरदायी बनाने के अतिरिक्त, प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए, स्थाई रूप से या राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट अवधि तक के लिए बहिष्कृत (Debarred) कर दिया जायेगा।

12. ऑनलाईन आवेदन किये जाने हेतु विशेष निर्देश:–

आवेदक जिस श्रेणी के तहत आवेदन करने का पात्र है, उस श्रेणी में ही आवेदन प्रस्तुत करें।

नोट– राजस्थान के पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग की क्रीमीलेयर श्रेणी के आवेदक तथा राजस्थान राज्य से भिन्न राज्यों की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर एवं नॉन क्रीमीलेयर)/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवेदक सामान्य वर्ग के अन्तर्गत आते है।

कृपया ध्यान दे:–

1. आवेदकों को हिदायत दी जाती है कि ऑनलाईन आवेदन पत्र Final Submit करने से पूर्व बोर्ड के विज्ञापन एवं ऑनलाईन आवेदन पत्र भरकर निर्देशों के साथ–साथ, संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन कर लें।
2. ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्ति की अन्तिम दिनांक तक ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगें। आवेदक आवेदन पत्र प्रेषित करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि वह विज्ञापन के नियमानुसार पात्रता की समस्त शर्तें पूरी करता है एवं पद के सम्बन्ध में चाही आवश्यक समस्त सूचनाएं संबंधित कॉलम में सही–सही एवं पूर्ण भरी गई हैं। समस्त प्रविष्टिया पूर्ण एवं सही नहीं होने की स्थिति में बोर्ड द्वारा आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा अथवा ऑनलाईन आवेदन पत्र में भरी गई सूचना को ही सही मानते हुये परीक्षा में अस्थाई प्रवेश दिया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की होगी।
3. यदि आवेदक द्वारा अपनी श्रेणी से भिन्न श्रेणी में आवेदन किया जाता है तो उसकी श्रेणी में सुधार की सुविधा नहीं दी जाएगी। गलत श्रेणी का आवेदन करने पर आवेदक का आवेदन पत्र बोर्ड द्वारा किसी भी स्तर पर रद्द किया जा सकता है, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की होगी।अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों का Online Application Form प्रस्तुत(Submit)करते समय अपने वर्ग का स्पष्ट उल्लेख निर्धारित कॉलम में करें अन्यथा Online Application Form प्राप्ति की अन्तिम दिनांक पश्चात् (संशोधन करने की अवधि समाप्त होने के बाद) वर्ग परिवर्तन नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थियों को जो कि उक्त वर्ग का उल्लेख नहीं करते हैं तो वर्ग विशेष का लाभ विज्ञापित पदों हेतु देय नहीं होगा और ना ही इस संबंध में किसी प्रार्थना–पत्र पर विचार किया जाएगा।
4. किसी भी प्रतियोगी/पात्रता परीक्षा में वंचित (Debar) किये गये आवेदक जिनके वंचित (Debar) होने की अवधि आवेदन पत्र प्राप्ति की अंतिम दिनांक तक समाप्त नहीं हुई है, इस भर्ती हेतु आवेदन नहीं कर सकते।
5. बोर्ड द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र में भरी गई सूचनाओं के आधार पर ही अभ्यर्थियों की पात्रता (आयु, योग्यता, श्रेणी आदि) की जांच की जाएगी। यदि आवेदक द्वारा भरी गई सूचना के आधार पर वह अपात्र पाया जाता है तो उसका ऑनलाईन आवेदक पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी। ऑनलाईन आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियों में संशोधन की अवधि समाप्त होने के बाद में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नही दी जाएगी और ना ही इस सम्बन्ध में कोई प्रार्थना पत्र बोर्ड द्वारा स्वीकार किया जाएगा।
6. आवेदक जिनके ऑनलाईन आवेदन पत्र अन्तिम दिनांक तक बोर्ड कार्यालय को पूर्ण सूचना सहित प्राप्त होंगे, ऐसे आवेदकों को बोर्ड द्वारा अनन्तिम (Provisional) रूप से परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा के लिये प्रवेश–पत्र जारी करने का यह अभिप्राय नहीं है कि बोर्ड द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से सही मान ली गई हैं अथवा उम्मीदवार द्वारा आवेदन–पत्र में की गयी प्रविष्टयाँ बोर्ड द्वारा सही मान ली गई हैं। बोर्ड द्वारा आवेदकों की पात्रता की जाँच अलग से की जायेगी। अस्थाई रूप से चयन होने की स्थिति में आवेदक को विस्तृत आवेदन दो प्रतियों में समस्त आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित फोटो प्रतियों के साथ बोर्ड कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। बोर्ड द्वारा उम्मीदवार की पात्रता की जांच करते समय तथा मूल प्रलेखों से पात्रता की जांच करते समय यदि आयु, शैक्षणिक योग्यता तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग एवं भूतपूर्व सैनिक या अन्य शर्तों की पालना नहीं करने के कारण यदि अभ्यर्थी की अपात्रता का पता चलता है तो इस परीक्षा हेतु उसकी उम्मीदवारी किसी भी स्तर पर रद्द की जा सकती है जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।

7. OTR में लाईव फोटोग्राफ Capture करने के लिए दिशा–निर्देश:–

ऑनलाईन आवेदन में आवेदक की लाईव फोटो, हस्ताक्षर (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं अंगुठा निशानी ओटीआर से स्वतः FETCH होगी।

लाइव फोटो अपलोड़ करने के लिए दिशा–निर्देश :–

a. फोटोग्राफ और हस्ताक्षर स्पष्ट नहीं होने पर आवेदन अस्वीकार किया जा सकता है।
b. **आवेदक को OTR में लाईव फोटो Capture किया जाना आवश्यक है। अभ्यर्थी का लाईव फोटो ओटीआर से ही आवेदन पत्र पर FETCH होगी।**
c. लाइव फोटो के लिये 5 सैकण्ड के Timer के पश्चात अभ्यर्थी अपनी पलक दो–तीन बार झपकाएं, यदि आपकी फोटो बन्द आँखों के साथ कैप्चर हुई है तो फोटो पुनः कैप्चर करें।
d. फोटो कैप्चर किये जाते समय अभ्यर्थी सीधा कैमरे की तरफ देखें। यदि आप चश्मे का इस्तमाल करते हैं तो अपना फोटो चश्मे के साथ ही लें परन्तु इस बात का विशेष ध्यान रखें कि चश्मे पर रोशनी के कारण फोटो अस्पष्ट अथवा चमक के साथ कैप्चर ना हो।
e. अभ्यर्थी सुनिश्चित करें कि लाइव फोटो साफ एवं पर्याप्त रोशनीमय पृष्ठभूमि (Enlightened Background) के साथ ली गयी है एवं धुंधली अथवा अन्धकारमय (Blurred/Dark) नहीं है।
f. जब तक फोटो स्पष्ट ना हो अभ्यर्थी बारम्बार फोटो कैप्चर कर सकते हैं परन्तु एक बार Final Submit किये जाने के उपरान्त अवसर देय नहीं होगा।
g. फोटो की पृष्ठभूमि (Background) सफेद या हल्के रंग की होनी चाहिए।
h. फोटो में आवेदक का चेहरा कम से कम 50 प्रतिशत जगह घेरना चाहिए।
i. फोटो में आवेदक का चेहरा एवं सिर किसी भी कपड़े, छाया, बालों द्वारा ढ़का हुआ नहीं होना चाहिए। आवेदक का सिर, आंख, नाक और ठोडी स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए।
j. आवेदक की फोटो में काला या धूप का चश्मा नहीं होना चाहिए।
k. परीक्षा के समय प्रवेश पत्र/उपस्थिति पत्र पर लगी फोटो आवेदक से मेल खानी चाहिए अन्यथा उम्मीदवार अयोग्य ठहराया जा सकता है।
l. **आवेदक द्वारा OTR में लाईव फोटो को फोटो एडिटर एप से किसी भी प्रकार की छेड़खानी, फोटो की जालसाजी इत्यादि करने पर अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता किसी भी स्तर पर निरस्त की जा सकेगी। ऐसे प्रकरणों में अभ्यर्थी एवं फोटो से छेड़छाड़ करने वाले व लिप्त पाये जाने वाले अभियुक्त के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।**

8. ओटीआर में स्कैन्ड हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी (Thumb Impression) अपलोड करने के लिए दिशा–निर्देश :–

a. आवेदक एक सफेद कागज (A4 size) पर 7 सेमी चौड़ाई एवं 2 सेमी ऊँचाई के एक आयताकार बॉक्स के भीतर काले या गहरे नीले रंग के पेन से हस्ताक्षर करें।
b. हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी केवल आवेदक द्वारा किया जाना चाहिए अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी मान्य नहीं होगा।
c. आयताकार बॉक्स में हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी करने के बाद इमेज को स्कैन कर आयताकार बॉक्स तक क्रॉप करने के पश्चात् अलग–अलग यथास्थान अपलोड करें।
d. परीक्षा के समय प्रवेश पत्र/उपस्थिति पत्र पर किये गये आवेदक के हस्ताक्षर ऑनलाईन आवेदन पत्र में अपलोडेड हस्ताक्षर से मेल खाने चाहिए अन्यथा उम्मीदवार को किसी भी स्तर पर अयोग्य ठहराया जा सकता है।
e. केवल जेपीईजी (JPEG) प्रारूप को स्वीकार किया जाएगा।
f. जेपीईजी (JPEG) के लिए न्यूनतम पिक्सेल 280 × 80 से अधिकतम पिक्सेल 560 × 160 होना चाहिए।
g. फाईल का आकार 20 के.बी. से 50 के.बी. तक होना चाहिए।
h. हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी का आकार 50 के.बी. से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
i. **मोबाईल फोन का उपयोग कर लिया गया हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशानी का फोटोग्राफ स्वीकार नहीं किया जायेगा।**
j. **स्कैण्ड हस्ताक्षर अपलोड करने के पश्चात् अपने बायें हाथ की** अंगूठा निशानी यथास्थान अपलोड करना अनिवार्य होगा। यदि बायें हाथ का अंगूठा नहीं हो तो दायें हाथ की अंगूठा निशानी अपलोड की जानी है।

विशेष टिप्पणी:-

1. **परीक्षा के पश्चात् संबंधित परीक्षा का प्रश्न पत्र बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड किया जायेगा। प्रश्न पत्र की उत्तर कुंजी (Answer Key) बोर्ड की वेबसाईट पर अपलोड की जाकर आपत्तियां आंमत्रित की जायेंगी। प्रत्येक आपत्ति के लिये परीक्षार्थी को निर्धारित तरीके से शुल्क 100/- रू जमा करना अनिवार्य है। इसकी प्रक्रिया आपत्ति आमंत्रित करने हेतु जारी की जाने वाली विज्ञप्ति में बताई जावेगी।**
2. **परीक्षा देने के लिये आते समय अभ्यर्थी रेल/बस की छतों एवं पायदानो पर यात्रा नहीं करें। यह भी ध्यान रखें कि बस स्टैण्ड/रेल्वे स्टेशन और रास्तों में तोड़फोड़, लूटपाट, हुडदंग, पत्थरबाजी, आगजनी एवं महिलाओं के साथ छेड़खानी आदि न करें तथा अनुशासन बनाऐ रखें।**
3. **कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष/परिसर में मोबाइल फोन, पर्स इत्यादि लेकर नहीं आए। परीक्षार्थी अपने साथ परीक्षा में परीक्षा उपयोग के लिए नीली स्याही का पारदर्शी बालपेन, 2.5×2.5 से.मी. का एक फोटो (01 माह से अधिक पुराना न हो), एक फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र, ई-प्रवेश पत्र ही कक्ष में ले जा सकते है। यदि परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष/परिसर में मोबाईल व अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं साथ लाता है तो उन्हें जब्त किया जा सकता है तथा उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी परीक्षा केन्द्राधीक्षक/संचालक व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की नहीं होगी।**
4. **जिस परिसर के भीतर परीक्षा आयोजित की जा रही है, वहा मोबाइल फोन, पेजर्स, ब्लूटूथ या अन्य कोई संचार यंत्र रखने की अनुमति नही है। इन अनुदेशों का उल्लंघन किए जाने पर सम्बन्धित आवेदक के खिलाफ राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षाओं में अनुचित साधनो की रोकथाम रेग्यूलेशन, 2016 एवं राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 यथा संशोधित के अनुसार कार्यवाही की जायेगी, जिसमें आवेदक की परीक्षा निरस्त किया जाना भी सम्मलित है।**
5. **सभी परीक्षार्थियों के लिये बोर्ड का ड्रेस कोड लागू होगा। विस्तृत विवरण बोर्ड की वेबसाईट http://rssb.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।**
6. **परीक्षार्थी को ई-प्रवेश पत्र पर उल्लेखित विस्तृत दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित् करनी होगी।**

13. ऑनलाईन आवेदन में संशोधन की प्रकिया- बोर्ड द्वारा ऑनलाईन आवेदन में संशोधन हेतु कोई ऑफलाईन प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी द्वारा एक बार अपना ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक सब्मिट कर दिए जाने के बाद अभ्यर्थी को निम्न प्रविष्टियों में संशोधन की अनुमति नही होगी।

1 अभ्यर्थी का नाम
2 पिता का नाम
3 जन्म तिथि
4 स्वयं का फोटोग्राफ व हस्तलिपि नमूना, अंगूठा का निशान एवं हस्ताक्षर

बोर्ड द्वारा जारी विज्ञप्ति दिनांक 14.07.2023 में अंकित किया गया है कि **यदि किसी अभ्यर्थी को अपने OTR में स्वयं के नाम, पिता के नाम, जन्मतिथि एवं लिंग का परिवर्तन करना है तो उसे सर्वप्रथम अपने आधार/जनआधार में परिवर्तन करवाना होगा तत्पश्चात् OTR स्क्रीन पर फेच का बटन दबाना होगा जिससे आधार/जनआधार में दर्ज नवीन डाटा उसके OTR में स्वतः ही आ जायेगा।** अभ्यर्थी को अपने OTR में आरक्षण श्रेणी, दिव्यांगजन श्रेणी एवं मूल निवास में वांछित संशोधन करने की अनुमति दी गयी है। अभ्यर्थी संशोधन करने के उपरान्त ही ऑनलाईन आवेदन भरें। ऑनलाईन आवेदनों में संशोधन किए जाने की अनुमत अवधि में, एडिटिंग प्रक्रिया के दौरान ऑनलाईन आवेदन में, OTR डेशबोर्ड से आई हुई प्रविष्टियों **के अतिरिक्त** बोर्ड द्वारा एडिट हेतु अनुमत की गयी अन्य प्रविष्टियां अभ्यर्थी स्वयं संशोधित कर सकेगा।

Checklist देखने की प्रक्रिया निम्नानुसार है:-

अभ्यर्थी SSO पोर्टल पर लॉगिन कर Recruitment Portal का चयन करें और "My Recruitment सेक्शन के अंतर्गत " Checklist " टैब पर क्लिक करें। उक्त भर्ती के सामने उपलब्ध "View Checklist विकल्प पर क्लिक करके वे अपने आवेदित आवेदन पत्र में विवरण की चेकलिस्ट देख सकते हैं। अभ्यर्थी को अपने आवेदित आवेदन पत्र की किसी सूचना में कोई त्रुटि रह गई हो तो वह बोर्ड द्वारा अनुमत एडिट अवधि में अनुमत प्रविष्टियों में आवश्यक संशोधन कर लेवें।

ऑनलाइन आवेदन पत्र में संसोधन करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है:-

1. आवेदन पत्र में जो जानकारी OTR से प्राप्त (fetch) हुई है, उसमें संशोधन करने के लिए सबसे पहले OTR प्रोफाइल में सुधार करना आवश्यक है।

2. OTR में जानकारी अपडेट करने के बाद आवेदन पत्र को एडिट करें, ताकि अपडेटेड जानकारी आवेदन पत्र में प्रदर्शित हो सके, जो जानकारी आवेदन पत्र में OTR से fetched नहीं होती है, उसे सीधे आवेदन पत्र में एडिट किया जा सकता है। OTR में संशोधन हेतु, निम्न लिंक पर उपलब्ध सहायता दस्तावेज (Help Document) का अवलोकन करें- https://recruitment.rajasthan.gov.in/frequentlyaskedquestions

ऑनलाईन आवेदन Final Submit किये जाने के पश्चात् यदि आवेदक को किसी प्रकार की त्रुटि का पता लगता है तो अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन में स्वयं का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, स्वयं का फोटोग्राफ, हस्ताक्षर, अंगुठा का निशान व हस्तलिपि नमूना **को परिवर्तित नहीं कर पाएगा।** शेष सूचनाओं में वह **संशोधन निम्नानुसार कर सकता है:-**

i. यदि कोई अभ्यर्थी अपने ऑनलाइन आवेदन में संशोधन करना चाहता है तो **आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन भरे जाने की अवधि के दौरान अपने ऑनलाईन आवेदन में संशोधन किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन आवेदन बन्द होने की दिनांक के पश्चात 03 दिवस की अवधि में भी आवेदको को अपने ऑनलाइन आवेदन में संशोधन करने की अनुमति होगी।** आवेदक निर्धारित शुल्क 300/- रूपये देकर ऑनलाईन आवेदन में संशोधन कर सकता है। इस अवधि में ऑनलाईन आवेदन में अभ्यर्थी अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, स्वयं का फोटोग्राफ, हस्ताक्षर, अंगुठा का निशान व हस्तलिपि नमूना **को परिवर्तित नहीं कर पाएगा।** शेष सभी प्रविशिष्टियों में संशोधन किया जा सकेगा। ऑनलाईन आवेदन में संशोधन हेतु निर्धारित फीस जमा कराने की प्रकिया ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया के समान ही होगी।

ii. यदि किसी अभ्यर्थी के ऑनलाईन आवेदन में त्रुटि रह जाती है तथा वह किसी कारणवश त्रुटि संशोधन के प्रथम अवसर में अपने ऑनलाईन आवेदन में संशोधन नहीं कर पाता है तो उसे अपने ऑनलाईन आवेदन में संशोधन करने का एक और अंतिम अवसर परीक्षा आयोजन के पश्चात 07 दिवस हेतु प्रदान किया जाएगा। इस अवधि में ऑनलाईन आवेदन में अभ्यर्थी स्वंय का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, स्वयं का फोटोग्राफ, हस्ताक्षर, अंगूठा का निशान व हस्तलिपि नमूना तथा शैक्षणिक योग्यता के अलावा शेष प्रविष्टियों में संशोधन कर सकेगा। ऑनलाईन आवेदन में संशोधन हेतु इस अवधि की दिनांक एवं समय की सूचना पृथक से बोर्ड की वेबसाईट के माध्यम से दी जायेगी। उक्त निर्धारित समय में अभ्यर्थी अपने ऑनलाईन आवेदन में निर्धारित संशोधन शुल्क का भुगतान कर संशोधन कर सकेगा।

iii. इसके पश्चात् ऑनलाइन आवेदन में किसी प्रकार का संशोधन/परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जायेगा तथा ऐसी किसी भी त्रुटि का सम्पूर्ण दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

iv. **विधवा श्रेणी के अभ्यर्थी:-**ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने एवं त्रुटि सुधार संशोधन अवधि के पश्चात् कोई अभ्यर्थी आकस्मिक रूप से विधवा हो जाती है तो उसे परीक्षा के परिणाम से पूर्व वर्ग परिवर्तन के लिए आवेदन करना होगा, जिसके लिए उसे विधवा हेतु आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण-पत्र, लिंक दस्तावेज (यथा राशन कार्ड, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पति के नाम से मूल निवास प्रमाण पत्र इत्यादि) मय 300/- रूपये शुल्क भुगतान करने पर ही परिवर्तन स्वीकार्य होगा। किसी परीक्षा के एक से अधिक चरण होने पर प्रथम चरण की परीक्षा उपरांत अभ्यर्थी विधवा होती है तो वर्ग परिवर्तन का लाभ आने वाले परिणाम (Prospective Effect) से ही देय होगा, परन्तु पूर्व के परिणाम को इस आधार पर रिव्यु/पुनरावलोकन नहीं किया जायेगा।

14. ऑनलाईन आवेदन प्रत्याहारित करने की प्रकिया-बोर्ड द्वारा उक्त विज्ञापन में उल्लेखित शैक्षणिक योग्यता अर्थात् संबंधित प्रमाण पत्र धारित नहीं होने के उपरान्त भी अगर अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन भर दिया है अथवा किसी भी कारण से परीक्षा में सम्मिलित नहीं होना चाहता है तो ऐसे आवेदको को परीक्षा आयोजन से लगभग 01 माह पूर्व ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रत्याहरित (Withdraw) करने हेतु 03 दिवस के लिए अवसर प्रदान किया जा सकता है। इस हेतु सूचना पृथक से बोर्ड की वेबसाईट के माध्यम से दी जायेगी। आवेदक SSO Portal पर Login कर Recruitment Portal का चयन कर My Recuitment Section के अन्तर्गत संबंधित परीक्षा के समक्ष उपलब्ध Withdraw Button पर क्लिक कर अपना ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रत्याहरित (Withdraw) कर सकेंगें। विज्ञापन के अनुसार वांछित योग्यता नहीं होने के बावजूद भी इस अवधि में आवेदन पत्र प्रत्याहरित (Withdraw) नहीं करने वाले अभ्यर्थियों के विरूद्व बोर्ड द्वारा पात्रता जांच उपरान्त विधि सम्मत कार्यवाही की जायेगी।

15. विशेष योग्यजन/दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक/क्षतिपूरक समय उपलब्ध करवाये जाने के संबंध में विशेष निर्देश:-

1. अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र में दिव्यांगजन/विशेष योग्यजन श्रेणी भरे जाने तथा श्रुतलेखक सबंधी विकल्प का चयन किये जाने का अभिप्राय यह नहीं है कि वह श्रुतलेखक की सुविधा प्राप्त करने के लिए पात्र/योग्य है। श्रुतलेखक की सुविधा प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी को बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों की पालना किया जाना आवश्यक है अन्यथा अभ्यर्थी को श्रुतलेखक की सुविधा देय नहीं होगी।
2. ऐसे दिव्यांगजन अभ्यर्थी जो स्वयं का श्रुतलेखक लाना चाहते है, उन अभ्यर्थियों को **परीक्षा दिनांक से कम से कम एक दिवस पूर्व** दिव्यांगता का वांछित चिकित्सा प्रमाण-पत्र, अभ्यर्थी एवं श्रुतलेखक का वचन-पत्र, श्रुतलेखक के फोटो पहचान पत्र व शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण की प्रतिलिपि केन्द्राधीक्षक को प्रस्तुत करनी होगी।
3. ऐसे दिव्यांगजन अभ्यर्थी जो बोर्ड/केन्द्राधीक्षक से श्रुतलेखक प्राप्त करना चाहते है, उन अभ्यर्थियों को परीक्षा दिनांक से कम से कम दो दिवस पूर्व दिव्यांगता का वांछित चिकित्सा प्रमाण-पत्र, अभ्यर्थी का वचन-पत्र केन्द्राधीक्षक को प्रस्तुत करना होगा।
4. The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 के Section-2(r) के तहत् परिभाषित विशेष योग्यजन (40 प्रतिशत या 40 प्रतिशत से अधिक निःशक्तता) की दृष्टिबाधित (Blindness), लोकोमोटर डिसेबिलिटी (दोनों हाथों की निःशक्तता- Both Arms) एवं सेरेब्रल पाल्सी श्रेणी वाले अभ्यर्थी द्वारा चाहने पर दिव्यांगता का चिकित्सा प्रमाण-पत्र, अभ्यर्थी एवं श्रुतलेखक का वचन-पत्र के आधार पर श्रुतलेखक की सुविधा दी जायेगी। उक्त श्रेणियों के अलावा Section-2(r) के तहत् परिभाषित अन्य श्रेणी के मामले में लेखन कार्य में असमर्थता के संबंध मे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक से अनुमोदित प्रमाण-पत्र (बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध Appendix-C), दिव्यांगता का चिकित्सा प्रमाण पत्र एवं श्रुतलेखक का वचन-पत्र प्रस्तुत करने पर श्रुतलेखक की सुविधा देय होगी और/या क्षतिपूरक समय प्रदान किया जायेगा।
5. The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 के Section-2(s) के तहत परिभाषित विशेष योग्यजन (40 प्रतिशत से कम निःशक्तता) की श्रेणी के मामले मे लेखन कार्य में असमर्थता के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक से अनुमोदित प्रमाण-पत्र (बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध Appendix-D) एवं दिव्यांगता का चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर श्रुतलेखक की सुविधा और/या क्षतिपूरक समय प्रदान किया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थियों को श्रुतलेखक की सुविधा और/या क्षतिपूरक समय प्राप्त करने के लिये परीक्षा दिनांक से कम से कम दो दिवस पूर्व समस्त प्रमाण पत्रों के साथ आयोग से सम्पर्क करना होगा अन्यथा श्रुतलेखक की सुविधा और/या क्षतिपूरक समय देय नहीं होगा।
6. श्रुतलेखक किसी भी परीक्षा में एक बार ही बैठने हेतु अनुमत होगा। श्रुतलेखक के संबंध में विस्तृत निर्देशों एवं प्रमाण पत्रों का बोर्ड की वेबसाईट पर अवलोकन करें। वेबसाईट पर उपलब्ध श्रुतलेखक संबंधी इन निर्देशों को विज्ञापन का भाग/हिस्सा माना जायेगा।

16. आवेदन में गलत सूचना प्रस्तुत करने व अनुचित साधनों की रोकथाम-आवेदकों को अपने ऑनलाईन आवेदन में समस्त सूचना सही-सही अंकित करनी चाहिए और परीक्षार्थियों को केन्द्राधीक्षक/अभिजागर/बोर्ड द्वारा नियुक्त अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा दिये गये निर्देशों का अनिवार्यतः पालन करना चाहिए ऐसा न करने अथवा परीक्षा केन्द्र पर किसी प्रकार का अनुचित व्यवहार करने एवं परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग/उपभोग करने पर परीक्षार्थी के विरूद्ध बोर्ड/केन्द्राधीक्षक जो भी उचित समझे समस्त कार्यवाही कर सकता है तथा परीक्षार्थी के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम 2022 के अन्तर्गत एवं बोर्ड द्वारा निर्धारित "Punishment for insolent behavior/disorderly conduct/using or attempting unfair means during the course of examination" तथा "The Rajasthan Subordinate and Ministerial Service Selection Board Prevention of Unfair means in Board Examinations Regulations, 2016" के अनुसार कार्यवाही की जा सकती है। **परीक्षार्थियों को सावधान किया जाता है कि राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 (2022 का अधिनियम संख्यांक 6) के प्रावधानों के तहत यथा वर्णित किसी सार्वजनिक परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग/उपयोग करने या उनका सहारा लेने, अनाधिकृत प्रवेश, प्रश्न-पत्र का कब्जा व प्रकटीकरण तथा संबंधित अपराधों के लिए कठोर कानून का प्रावधान किया गया है। अनुचित साधनों में लिप्त परीक्षार्थी के लिए तीन वर्ष तक के कठोर कारावास एवं रूपये 1,00,000/- (अक्षरे एक लाख) न्यूनतम जुर्माना के प्रावधान किए गए हैं। परीक्षार्थी के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति द्वारा षड्यंत्र या अधिनियम वर्णित अनुचित साधनों में लिप्त होने पर या दुष्प्रेरित करने पर न्यूनतम पाँच वर्ष के कारावास जो कि दस वर्ष तक हो सकता है एवं न्यूनतम रूपये 10,00,000/- (अक्षरे दस लाख) का जुर्माना जो कि दस करोड़ तक हो सकता है, के दण्डित करने के प्रावधान किए गए हैं। दोष सिद्धि पर दो वर्ष की कालावधि के लिए कोई सार्वजनिक परीक्षा देने से विवर्जित किए जाने के भी प्रावधान किए गए हैं। उपरोक्त अधिनियम की विहित अनुसार कठोर पालना सुनिश्चित की जाएगी।**

17. समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर)-2026 हेतु परीक्षा की स्कीम एवं पाठ्यक्रम:-

परीक्षा की स्कीम

विषय विवरण	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समय
भारत और राजस्थान का इतिहास (भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के विशेष सन्दर्भ सहित), राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परंपरा और विरासत, भारत का भुगोल, राजस्थान का भुगोल, राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, भारत की अर्थव्यवस्था, राजस्थान की अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तार्किक विवेचन एवं गणित, समसामयिक घटनाएं एवं नागरिक कर्तव्य, जन स्वास्थ्य, कंप्यूटर की जानकारी, सामान्य हिन्दी , सामान्य अग्रेंजी	150	300	03.00 HR

नोट :-

1. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे तथा सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।
2. किसी प्रश्न के गलत उत्तर के लिए उस प्रश्न के पूर्णांक का एक-तिहाई (1/3) भाग नकारात्मक अंकन किया जायेगा।

Note :-

1. All questions will be multiple choice and will carry equal marks.
2. There will be negative marking of one-third (1/3) of the total marks for each wrong answer.

पाठ्यक्रम विवरण

भारत और राजस्थान का इतिहास (भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के विशेष सन्दर्भ सहित)

- भारतीय इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाएं, 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन : विभिन्न चरण, प्रमुख घटनाएं, देश के विभिन्न क्षेत्रों के स्वतंत्रता सेनानी एवं उनका योगदान
- 1857 की क्रान्ति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति व किसान आन्दोलन, राजनीतिक जनजागरण एवं प्रजामण्डल आंदोलन
- स्वातंत्र्योत्तर राष्ट्र निर्माण एवं नेहरू युग – राष्ट्रीय एकीकरण एवं राज्यों का पुनर्गठन; सांस्थानिक निर्माण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास।
- राजस्थान का एकीकरण

History of India and Rajasthan (with special reference to the Indian National Movement)

- Important events in Indian history; social and religious reform movements in the 19th and 20th centuries
- Indian Freedom Movement: various phases, major events, and the freedom fighters from different regions of the country and their contributions.
- Rajasthan's contribution to the Revolt of 1857; tribal and peasant movements in Rajasthan; political awakening and the Praja Mandal movement
- Post-independence nation-building and the Nehruvian era – national integration and Reorganization of states; Institution building and the development of Science and Technology.
- Integration of Rajasthan

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परंपरा और विरासत

- राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएं एवं पुरातात्विक स्थल : कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ इत्यादि
- राजस्थान के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएं, प्रमुख शासक, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था
- स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएं – किले एवं स्मारक, कलाएं, चित्रकलाएं और हस्तशिल्प
- राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियां एवं क्षेत्रीय बोलियां
- मेले, त्योहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य
- राजस्थानी संस्कृति, परम्परा एवं विरासत
- राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, संत एवं लोक देवता
- महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल

History, Art, Culture, Literature, Traditions, and Heritage of Rajasthan

- Ancient civilizations and archaeological sites of Rajasthan: Kalibangan, Ahar, Ganeshwar, Balathal, Bairath, etc.
- Significant events in the History of Rajasthan, prominent rulers, and their administrative and revenue systems.
- Salient features of architecture — forts and monuments; art forms, paintings, and handicrafts.
- Major literary works and regional dialects of Rajasthani literature.
- Fairs, festivals, folk music, and folk dances.
- Rajasthani culture, traditions, and heritage.
- Religious movements, saints, and folk deities of Rajasthan.
- Important historical sites.

भारत का भूगोल

- भौतिक स्वरूप: पर्वत, पठार, मरूस्थल एवं मैदान
- जलवायु एवं मानसून तंत्र
- प्रमुख नदियाँ, बांध, झीलें एवं सागर
- वन्य जीव एवं अभयारण्य
- प्रमुख फसलें- गेहूँ, चावल, कपास, गन्ना, चाय, कॉफी इत्यादि
- प्रमुख खनिज-लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट, अभ्रक इत्यादि
- ऊर्जा संसाधन- परम्परागत एवं गैर-परम्परागत
- प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक प्रदेश
- राष्ट्रीय राजमार्ग, परिवहन के साधन एवं व्यापार
- जनसंख्या – वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात
- आपदा प्रबन्धन एवं जलवायु परिवर्तन

Geography of India

- Physical features: Mountains, Plateaus, Deserts and Plains
- Climate and Mansoon system
- Major Rivers, Dams, Lakes and Oceans
- Wildlife and Sanctuaries
- Major Crops: Wheat, Rice, Cotton, Sugarcane, Tea, Coffee etc
- Major Minerals: Iron ore, Manganese, Bauxite, Mica etc
- Energy resources: Conventional and Non-conventional
- Major Industries and Industrial regions
- National highways, means of transport and trade
- Population: Growth, Density, Literacy and Sex ratio
- Disaster Management and Climate change

राजस्थान का भूगोल

- भूगर्भिक संरचना एवं भू-आकृतिक प्रदेश
- जलवायु दशाएं एवं प्रदेश
- अपवाह तंत्र, झीलें, तालाब, बांध एवं जल संरक्षण विधियां
- प्राकृतिक वनस्पति
- वन्य जीव एवं अभयारण्य
- मृदाएं
- रबी एवं खरीफ की प्रमुख फसलें
- जनसंख्या- वितरण, वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं नगरीकरण
- प्रमुख जनजातियाँ
- धात्विक एवं अधात्विक खनिज पदार्थ
- ऊर्जा संसाधन- नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय
- पर्यटन
- यातायात के साधन- राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल एवं वायु

Geography of Rajasthan

- Geological Structure and Physiographic divisions
- Climatic conditions and region
- Drainage system, Lakes, Ponds, Dams and Water conservation methods
- Natural vegetation
- Wildlife and Sanctuaries
- Soils
- Major crops of Rabi and Kharif

- Population- Distribution, Growth, Density, Literacy, Sex ratio and Urbanization
- Major tribes
- Metallic and Non-metallic minerals
- Energy resources – Renewable and Non-renewable
- Tourism
- Means of transport- National Highway, Rail and Air

राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

- संविधान सभा, संविधान निर्माण में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की भूमिका
- भारतीय संविधान की प्रकृति एवं विशेषताएं, प्रस्तावना (उद्देशिका), मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त, संघीय ढांचा, संवैधानिक संशोधन, आपातकालीन प्रावधान, जनहित याचिका।
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्, संसद, उच्चतम न्यायालय
- राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख संस्थाएं एवं आयोग– निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, लोकपाल, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नीति आयोग, राष्ट्रीय सूचना आयोग।
- राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानव अधिकार आयोग, लोकायुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य वित्त आयोग, राज्य सूचना आयोग, स्थानीय स्वायत शासन एवं पंचायती राज।

Indian political system with special reference to Rajasthan :

- Constituent Assembly, Role of Dr. B. R. Ambedkar in framing of the Constitution.
- Nature and Features of Indian Constitution, Preamble, Fundamental Rights, Directive Principles of State Policy, Federal Structure, Constitutional Amendments, Emergency Provisions, Public Interest Litigation.
- President, Prime Minister and Council of Ministers, Parliament, Supreme Court
- Important institutions and commissions at the national level- Election Commission, Comptroller and Auditor General, Finance Commission, Lokpal, National Human Rights Commission, NITI Aayog, National Information Commission.
- Political and Administrative System of Rajasthan, Governor, Chief Minister, State Legislative Assembly, High Court, Rajasthan Public Service Commission, District Administration, State Human Rights Commission, Lokayukta, State Election Commission, State Finance Commission, State Information Commission, Local Self Government and Panchayati Raj.

भारत की अर्थव्यवस्था

- बजट निर्माण, बैंकिंग, लोक–वित्त, वस्तु एवं सेवा कर, राष्ट्रीय आय, संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान
- राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ
- समिश्ती, लोक वितरण प्रणाली
- ई–कॉमर्स
- अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र : कृषि, उद्योग, सेवा एवं व्यापार क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं चहल।
- हरित क्रान्ति, श्वेत क्रान्ति एवं नीली क्रान्ति।
- पंचवर्षीय योजनाएं एवं निर्योजन प्रणाली।
- प्रमुख आर्थिक समस्याएं एवं सरकार की पहल, आर्थिक सुधार एवं उदारीकरण।

Economy of India

- Budget Making, Banking, Public Finance, Goods and Services Tax, National Income, Basic Knowledge of Growth and Development.
- Fiscal and Monetary Policies.
- Subsidies, Public Distribution System
- E-commerce
- Major Sectors of the Economy: Current Status, Issues and Initiatives in Agriculture, Industry, Service and Trade Sectors.
- Green Revolution, White Revolution and Blue Revolution.
- Five Year Plans and Planning System.
- Major Economic Problems and Government Initiatives, Economic Reforms and Liberalisation.

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- राजस्थान की खाद्य एवं व्यावसायिक फसलें
- सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनायें, बंजर भूमि व सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास परियोजनायें
- उद्योगों का विकास व उनका स्थान, कृषि आधारित उद्योग, खनिज आधारित उद्योग, लघु, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, निर्यात सामग्री, राजस्थानी हस्तकला
- गरीबी एवं बेरोजगारी–अवधारणा, प्रकार, कारण, निदान एवं वर्तमान फ्लेगशिप योजनाए, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता – कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान।
- विभिन्न कल्याणकारी योजनायें एवं अधिनियम, विकास संस्थायें, सहकारी आन्दोलन, लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थायें, पंचायती राज संस्थाओं की ग्रामीण विकास में भूमिका।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), विकसित भारत – रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G)

Economy of Rajasthan

- Food Crops and Commercial Crops of Rajasthan
- Irrigation and River Valley Projects, Wasteland and Drought-Prone Areas Development Projects
- Development of Industries and their Location, Agro-Based Industries, Mineral-Based Industries, Small, Cottage and Village Industries, Export Goods, Rajasthani Handicrafts
- Poverty and Unemployment- Concept, Types, Causes, Solutions and Current Flagship Schemes, Social Justice and Empowerment Provisions for Weaker Sections.
- Various Welfare Schemes and Acts, Development Institutions, Cooperative Movement, Small Enterprises and Financial Institutions, Role of Panchayati Raj Institutions in Rural Development.
- Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA), Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Aajeevika Mission – Gramin (VB-G RAM G)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन
- अम्ल, क्षार एवं लवण
- विद्युत धारा, उष्मा, कार्य एवं ऊर्जा
- आहार एवं पोषण, रक्त समूह एवं Rh कारक
- स्वास्थ्य देखभाल: संक्रामक, असंक्रामक एवं पशुजन्य रोग
- पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव
- जैव–विविधता, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संधारणीय विकास
- जन्तुओं एवं पादपों का आर्थिक महत्व
- कृषि–विज्ञान, उद्यान–विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन राजस्थान के विशेष संदर्भ में
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
- रक्षा प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उपग्रह
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास राजस्थान के विशेष संदर्भ में

Science and Technology

- Physical and Chemical Changes.
- Acids, Alkalis and Salts.
- Electric Current, Heat, Work and Energy.
- Diet and Nutrition, Blood Groups and Rh Factor.
- Health Care: Infectious, Non-Infectious and Zoonotic Diseases.
- Environmental and Ecological Changes and their Effects.
- Biodiversity, Conservation of Natural Resources and Sustainable Development.
- Economic Importance of Animals and Plants.
- Agriculture, Horticulture, Forestry and Animal Husbandry with special reference to Rajasthan
- Information and Communication Technology.
- Defence Technology, Space Technology and Satellites.
- Science and Technology Development with special reference to Rajasthan

तार्किक विवेचन एवं गणित

- रक्त संबंध,
- संख्या श्रेणी
- अक्षर श्रेणी
- घड़ी
- कैलेंडर
- मानसिक योग्यता एवं विश्लेषणात्मक योग्यता
- पूर्ण संख्याओं का वर्ग, वर्गमूल, घनमूल
- गुणनखण्ड , द्विघात समीकरण, लघुगणक
- लघुतम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य, औसत, लाभ–हानि, प्रतिशत, साधारण ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात–समानुपात।
- समय, चाल, दूरी, कार्य एवं समय।
- एक बिन्दु पर बनने वाले कोण एवं रेखाएं, सरलरेखीय आकृतियां, त्रिभुज की सर्वांगसमता
- त्रिभुज, वृत्त, दीर्घ वृत्त, आयत, गोले और बेलन का क्षेत्रफल।
- त्रिकोणमितीय अनुपात, ऊंचाई – दूरी की सामान्य समस्याएं
- केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप : माध्य, माध्यिका एवं बहुलक
- गोले, बेलन, घन और शंकु का आयतन।
- आंकड़ों का चित्रों द्वारा निरूपण (आलेख, स्तंभचित्र, वृत्तचित्र, रेखाआलेख, आदि)।

Logical reasoning & Mathematics

- Blood relation,
- Number Series
- Alphabet Series
- Clock
- Calendar
- Mental ability and analytical ability
- Square, square root, cube root of whole numbers.
- Factoring, quadratic equations, logarithms
- LCM & HCF, average, profit-loss, percentage, simple interest, compound interest, ratio-proportion.
- Time, speed, distance, work and time.
- Angles and lines formed at a point, rectilinear figures, congruence of triangles
- Area of triangles, circles, ellipses, rectangles, spheres, and cylinders.
- Trigonometric ratios, standard problems on heights and distances
- Measures of central tendency: mean, median, and mode
- Volume of spheres, cylinders, cubes and cones.
- Graphical representation of data (graphs, bar charts, pie charts, line graphs, etc.)

समसामयिक घटनाएं एवं नागरिक कर्तव्य

- राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रौद्योगिकी भौगोलिक, पारिस्थितिकी, खेल–कूद, आदि क्षेत्रों की राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख समसामयिक घटनाएं।
- प्रसिद्ध व्यक्तित्व।
- राजस्थान राज्य एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीतियां।
- नागरिक कर्तव्य :– मूल कर्त्तव्य एवं नैतिक मूल्य
- राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के मुख्य प्रावधान

Current Events and Civic Duty

- Major contemporary events at the State, National and International level in the fields of politics, economy, society, culture, technology, geography, ecology, sports, etc.
- Famous personalities.
- State and national-level programs and policies
- Civic Duties: Fundamental Duties and Moral Values.
- Salient Provisions of The Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022

Public Health

- Basics of First aid, Cardiopulmonary resuscitation (CPR).
- Types of Drug abuse and Measures to prevent it.
- Physical and Mental fitness of youth.
- Health risks of Social Media addiction and its Preventive Measures.

जन स्वास्थ्य

- प्राथमिक चिकित्सा (First aid) की बुनियादी बातें, कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (CPR)
- नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रकार और उनसे बचाव के उपाय
- युवाओं की शारीरिक और मानसिक फिटनेस
- सोशल मीडिया की लत से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम एवं निवारक उपाय

Computer Knowledge

- Characteristics and Applications of Computers.
- Operating System, Internet and E-Mail.
- Computer Organization including Memory (RAM, ROM), File System, Input and Output Devices.
- MS Office (Knowledge of MS Word, MS Excel/Spreadsheet, MS PowerPoint).
- Cyber Security
- E-Services
- Artificial Intelligence (AI)

कंप्यूटर की जानकारी

- कंप्यूटर की विशेषताएं और उपयोग।
- ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट और ई–मेल।
- मेमोरी (रैम, रोम) फाइल सिस्टम, इनपुट और आउटपुट डिवाइस सहित कम्प्यूटर संगठन।

- एमएस ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल/स्प्रेडशीट, एमएस पॉवरप्वाइंट की जानकारी)
- साइबर सिक्योरिटी
- ई–सर्विसेज़
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)

Language Knowledge

General English

- Use of Articles and Determiners
- Tense/sequence of Tenses
- Voice : Active and Passive
- Narration : Direct and Indirect
- Use of Prepositions
- Translation of Ordinary/Common English sentences into Hindi and vice-versa
- Synonyms and Antonyms
- Comprehension of a given passage
- Glossary of official, Technical terms (with their Hindi version)
- Letter writing : Official, Demi-official, Informal.
  Note : Questions on letter writing will also be objective regarding the structure of a letter.
- Idioms and Phrases
- One Word Substitution

सामान्य हिन्दी

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, कारक, अव्यय
- संधि और संधि विच्छेद
- समास, भेद, सामासिक पदों की रचना व विग्रह
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- विलोम शब्द, पर्यायवाची एवं अनेकार्थक शब्द
- विराम चिह्न
- पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी भाषा के पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक शब्द)
- शब्द शुद्धि (अशुद्ध शब्दों का शुद्धिकरण)
- वाक्य शुद्धि (अशुद्ध वाक्यांश का शुद्धिकरण)
- वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- राजभाषा हिन्दी – संवैधानिक स्थिति
- कार्यालयी पत्रों से सम्बन्धित ज्ञान, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति।

****

बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं में किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दिये जाने के संबंध में अभ्यर्थी से पुष्टि करवाये जाने हेतु ओ.एम.आर. उत्तरपत्रक में पाँचवा विकल्प के संबंध में निम्नलिखित विशेष निर्देश लागू किये गये है :–

1.प्रत्येक प्रश्न के 05 विकल्प A, B, C, D, E. अंकित रहेगें। उनमें से अभ्यर्थी को केवल एक विकल्प को नीले बॉल पेन से गहरा गोल उत्तरपुस्तिका में सही उत्तर दर्शाने हेतु करना होगा।
Each question has five options marked as A, B, C, D, E. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.

2.प्रत्येक प्रश्न के लिये विकल्पों में से केवल एक विकल्प को भरना आवश्यक होगा।
It is mandatory to fill only one of the options for each question.

3.यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी प्रश्न को हल नहीं किया है तो उसके लिये पाँचवा विकल्प E को गोला गहरा करना होगा। यदि पाँचों विकल्पों में से किसी को भी गहरा नहीं किया जाता है तो ऐसे 10 प्रतिशत प्रश्नों तक प्रत्येक प्रश्न के 1/3 अंक घटाये जावेगें।
If you are not attempting a question then you have to darken the circle 'E'. If none of the five circles is darkend, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.

4.प्रश्न पत्र हल करने के बाद अभ्यर्थी को यह सुनिशिचित करना होगा कि उसने प्रत्येक प्रश्न का एक गोला गहरा भर दिया है। इस हेतु निर्धारित समय के बाद अभ्यर्थी को 10 मिनट अतिरिक्त समय दिया जावेगा।
After solving question paper, candidate must ascertain that he\she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the question. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for darkening the circle of option "E" for all unanswered questions.

5.जिस अभ्यर्थी द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नो को किन्ही पाँच गोलों में से गहरा नहीं भरने पर उसे अयोग्य किया जावेगा।
A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% question shall be disqualifed.

18. **बोर्ड की वेबसाईट:–**अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाईट http://rssb.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष नम्बर 0141–2722520 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

(प्रीति माथुर)
सचिव

डी.आई.पी.आर/सी/11759/2026 रा.रो.सं 24/2026

वार्षिक अभिदाताओं/एजेंट हेतु आवश्यक सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश (पाक्षिक) के वार्षिक अभिदाता बनने हेतु अथवा वर्तमान में चल रहे अभिदाता जिनका वार्षिक शुल्क समाप्त होने जा रहा है वें रु 60/- की राशि का भारतीय पोस्टल आर्डर या डिमान्ड ड्राफ्ट उप निदेशक (प्रकाशन) राजस्थान रोजगार संदेश के पक्ष में भेजकर इस पाक्षिक पत्र के वार्षिक सदस्य बन सकते हैं।

-संपादक

सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश के प्रकाशित लेखों एवं प्रशिक्षण एक परिचय में प्रयुक्त विषय वस्तु लेखकों/संस्थानों की अपनी हैं। सम्पादक इन विषय वस्तु एवं इनसे उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार के विवाद के लिए किसी भी तरह उत्तरदायी नहीं है। -संपादक

राजस्थान रोजगार संदेश

मुख्य सम्पादक
ऋषभ मंडल
आयुक्त, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग,
राजस्थान, जयपुर
मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
डॉ. संजीव सोलंकी
उप निदेशक (प्रकाशन), राजस्थान रोजगार संदेश, जयपुर
डाक का पता :- उप निदेशक (प्रकाशन), दरबार स्कूल परिसर,
गोपीनाथ मार्ग, जयपुर, पिनकोड- 302001
e-mail— adrs.jpr.emp@rajasthan.gov.in

स्वत्वाधिकारी, रोजगार सेवा निदेशालय, राजस्थान सरकार के लिए मुद्रक उप निदेशक(प्रकाशन) द्वारा डी.बी. कॉर्प लि. 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, फोन - 01416658888 (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर) से मुद्रित एवं दरबार स्कूल परिसर, गोपीनाथ मार्ग, जयपुर से प्रकाशित। संपादक- डॉ.संजीव सोलंकी